राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

वर्ष : 14
अंक : 253
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
गुरुवार 07 अगस्त 2025
मूल्य :2 /-

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा प्राधिकरण पहुंची सीबीआई की टीम
पेज 4 नगर पालिका अध्यक्ष ने शहर के कई वार्डों में किया निरीक्षण
पेज 6 शुभमन सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी हश्वलेयर ऑफ द मंथ

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में महिला सांसद की चेन छीनने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को कांग्रेस सांसद आर. सुधा की गर्दन से 30 ग्राम के सोने की चेन छीनने वाले आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 24 साल के सोहन रावत के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से सांसद की चेन और वह स्कूटर जब्त की है, जिससे उसने घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद, उसे गिरफ्तार किया गया है। रावत पर पहले से 26 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से ज्यादातर चोरी और झपटमारी से जुड़े हैं। उसे अप्रैल में गाड़ी चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया था।

7 महीने बाद जेल से बाहर निकले बाहुबली अनंत सिंहे

पटना। बाहुबली अनंत सिंह बुधवार शाम करीब साढ़े 4 बजे पटना की बेऊर जेल से बाहर निकले। 7 महीने बाद वे जेल से बाहर आए हैं। अनंत सिंह 3 करोड़ की लैंड क्रूजर से अपने घर के लिए निकले हैं। उनके साथ समर्थकों का हुजूम भी है। जेल से बाहर निकलते ही अनंत सिंह ने कहा– मैं नीतीश कुमार जी की पार्टी जेडीयू से चुनाव लड़ूंगा। उन्होंने बिहार का बहुत विकास किया है। नीतीश जी अभी 25 साल और रहेंगे। कौन क्या कह रहा है उससे हमको मतलब नहीं है। विरोधी कभी किसी की तारीफ करते हैं क्या। मंगलवार को मोकामा शूटआउट केस में जेल में बंद पूर्व विधायक अनंत सिंह को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिली थी।

ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया

अब कुल 50 प्रतिशत टैरिफ; भारत बोला– ये कार्रवाई अन्यायपूर्ण

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार को इससे जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। यह आदेश 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से लागू होगा।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान किया था। अब भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगेगा।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई को गलत बताया है।

ट्रम्प के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में लिखा है–

भारत सरकार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से रूस से तेल आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दाखिल होने वाले भारत के सामानों पर 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होगा। हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छूट भी दी जाएगी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि वह कुछ खास तारीख से पहले अमेरिका में पहुंच चुका है। इससे पहले मार्च 2022 में अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रूसी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। अब ट्रम्प प्रशासन ने यह पाया कि भारत उस रूसी तेल को खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है। इस वजह से अब अमेरिका ने भारत पर यह नया टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

विदेश मंत्रालय का अमेरिका को जवाब–

अमेरिका ने हाल ही में भारत के रूस से किए जा रहे तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने पहले ही साफ कर दिया है कि हम बाजार की स्थिति के आधार पर तेल खरीदते हैं और इसका मकसद 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगा रहा है, जबकि कई और देश भी अपने हित में यही काम कर रहे हैं। हम दोहराते हैं कि ये कदम अनुचित, नाजायज और गलत हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

1 अक्टूबर से एअर-इंडिया की सभी इंटरनेशनल फ्लाइट्स उड़ान भरेंगी

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक अक्टूबर से पूरी तरह से इंटरनेशनल फ्लाइट्स का परिचालन शुरू करेगी। सीईओ कैंपबेल विल्सन ने बताया कि 1 अगस्त से कुछ इंटरनेशनल फ्लाइट्स ने उड़ान भरना शुरू कर दिया है और 1 अक्टूबर तक सभी फ्लाइट्स शुरू करने का लक्ष्य है। अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन क्रैश के बाद कुछ उड़ानें आंशिक रूप से रोक दी गई थीं। उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही उड़ानें शुरू की जाएंगी। उन्होंने माना कि पिछले कुछ हफ्तों में परिचालन संबंधी दिक्कतें आई हैं, जिनका यात्रियों के अनुभव पर असर पड़ा होगा। विल्सन ने कहा कि डीजीसीए ने एअर इंडिया का एनुअल ऑडिट और विशेषज्ञों की एक बाहरी टीम ने आईएटीए परिचालन सुरक्षा ऑडिट किया है।

इसके बाद डीजीसीए ने एक बयान में बताया था कि एअर इंडिया के ऑडिट रिजल्ट हमारे पैमाने पर सही पाए गए हैं। ये ऑडिट एविएशन इंडस्ट्री में सुधार के लिए किए जाते हैं।

दरअसल, अहमदाबाद से 12 जून को लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई–171 उड़ने के तुरंत बाद एक हॉस्टल के ऊपर क्रैश हो गई थी। इसमें कुल 270 लोग मारे गए। विमान में 242 लोग सवार थे, जिसमें से एक यात्री बच गया था।

विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत, एनसीपी–एसपी सांसद सुप्रिया सुले और टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार, संसद के मानसून सत्र के दौरान, नई दिल्ली में बिहार में मतदाता सूची के चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

बीसीसीआई को आरटीआई के दायरे में नहीं लाया जाएगा

स्पोर्ट्स बिल का असर नहीं; सरकारी फंड लेने वाले फेडरेशन पर नियम लागू

नई दिल्ली। बीसीसीआई अब भी आरटीआई के दायरे में नहीं आएगा। खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल में संशोधन किया है। इसके अनुसार, अब केवल उन्हीं खेल संगठनों को इसके दायरे में लाया गया है, जो सरकारी अनुदान और सहायता लेते हैं।

बीसीसीआई खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेता है। हालांकि विभिन्न संगठन कई बार बीसीसीआई को आरटीआई (सूचना का अधिकार) के दायरे में लाने की मांग करते रहे हैं।

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 पेश किया था। इस बिल में खेलों के विकास के लिए नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बॉडी, नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड, नेशनल खेल इलेक्शन पैनल और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने के प्रावधान हैं। संसद में इस बिल को जीपीसी में भेजने की मांग भी उठी है।

क्लॉज 15 में बदलाव किया गया है

पिछले महीने लोकसभा में पेश बिल के क्लॉज 15(2) में कहा गया था कि किसी मान्यता प्राप्त खेल संगठन को इस अधिनियम के तहत अपने कार्यों, कर्तव्यों और शक्तियों के प्रयोग के संबंध में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाएगा। बदले गए प्रावधान में लिखा है कि सिर्फ वे संस्थाएं आरटीआई के दायरे में आएंगी, जो सरकार से फंड या मदद लेती हैं। अब सरकारी धन से चलने वाले संगठनों पर ही आरटीआई लागू होगा। इसका मतलब यह हुआ कि बीसीसीआई अब आरटीआई के दायरे में नहीं आएगा। मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि सरकारी मदद सिर्फ पैसे तक सीमित नहीं है।

हिमाचल- किन्नौर में बाढ़ से 2 श्रद्धालुओं की मौत

किन्नर कैलाश यात्रा रुकी, आईटीबीपी ने 413 तीर्थयात्रियों को बचाया; उत्तराखंड के पौड़ी में बादल फटा

▸ अचानक आई बाढ़ से यात्रा रूट पर दो पुल भी बह गए। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गई है।

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आई है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार रात से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। किन्नौर जिले में सालाना होने वाली किन्नर कैलाश यात्रा पर गए दो श्रद्धालुओं की बाढ़ में बहने से मौत हो गई। अचानक आई बाढ़ से यात्रा रूट पर दो पुल भी बह गए। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गई है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। भारत–तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने जिपलाइन की मदद से 413 तीर्थयात्रियों को बचाया है।

मंगलवार रात चंडीगढ़–मनाली नेशनल हाईवे पर भी लैंडस्लाइड हुई। सड़कों पर बड़ी–बड़ी चट्टान गिरने से राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

उत्तराखंड में बुधवार को भी भारी बारिश जारी है। पौड़ी जिले में बादल फटा है। यहां के बुरांसी गांव में मलबा गिरने से दो महिलाएं दब गईं। इनमें से एक महिला का शव बरामद हो चुका है, जबकि दूसरी की तलाश जारी है।

झुंझुनूं में 25 कुत्तों की गोली मारकर हत्या

झुंझुनूं। झुंझुनूं में 25 से ज्यादा कुत्तों की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक बदमाश बंदूक लेकर घूमता है और कुत्ता नजर आते ही गोली मारकर उनकी हत्या कर देता। कुत्तों को मारने की घटना 2 और 3 अगस्त की बताई जा रही है। इससे जुड़ा एक वीडियो सामने आते ही पुलिस हरकत में आई। मामला नवलगढ़ इलाके के कुमावास गांव का है। इधर, मामले को लेकर लोगों में आक्रोश है। शेयर हो रहे वीडियो में कुत्तों को मरा हुआ दिखाया गया है। एक व्यक्ति बंदूक लिए हुए कुत्तों पर फायरिंग कर रहा है। इसके बाद गांव में जगह–जगह खून से लथपथ कुत्तों के शव मिले।

मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया में ब्लास्ट, 2 की मौत

3 की हालत गंभीर, फैक्ट्री की छत उड़ी; 1 किलोमीटर दूर तक बिखरे सिलेंडर के टुकड़े

मोहाली। पंजाब में मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई है। जबकि, 4 लोग घायल हुए हैं।

हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की दीवारें तक हिल गईं और फैक्ट्री की छत को भी काफी नुकसान पहुंचा। सिलेंडर के टुकड़े भी 1 किलोमीटर दूर तक बिखरे मिले।

इस दौरान जिन लोग की हादसे में जान गई है, उनके शरीर के अंग भी दूर–दूर जाकर गिरे। फिलहाल, ब्लास्ट की सही वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस व प्रशासन की टीमों ने करीब पांच घंटे घटनास्थल पर जुटी रहीं। मृतकों की पहचान आसिफ खान और देवेंद्र कुमार के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 25 साल थी और कंबाला के रहने वाले थे। सीएम भगवंत मान ने घटना पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़ा हर अपडेट अधिकारियों से ले रहे हैं।

जिस जगह पर धमाका हुआ है, वह ऑक्सीजन प्लांट है। वहां से ट्राइसिटी समेत पूरे पंजाब के अस्पतालों में सिलेंडरों की सप्लाई होता है। पता चला है कि यहां सिलेंडर लोड किए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इस दौरान करीब 6 लोग चपेट में आए।

सूचना मिलते ही मोहाली के स्एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। मौके पर मोहाली के डिप्टी मेयर कुलजीत बेदी और स्ष्ठरू दमनप्रीत कौर भी पहुंचीं।

हैप्पी मॉर्निंग

बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड बीएमडब्ल्यू कार में डेट पर गए बॉयफ्रेंड– मैं आज तक तुमसे एक बात छुपा रहा हूं गर्लफ्रेंड– क्या? बॉयफंड– मैं शादीशुदा हूं गर्लफ्रेंड– तुमने तो डरा ही दिया था, मुझे लगा कि ये बीएमडब्ल्यू कार तुम्हारी नहीं है गर्लफ्रेंड का जवाब सुनकर बॉयफ्रेंड के होश उड़ गए.....

शायरी

रैदास इक ही बूंद सो, सब ही भयो वित्थार।
मुरखि हैं तो करत हैं, बरन अवरन विचार॥

तमिलनाडु में ट्रिपल मर्डर से सनसनी, पिता ने तीन बेटियों का गला रेता, फिर खुद की काट ली गर्दन

एजेंसी

नमक्कल। तमिलनाडु के नमक्कल जिले के वेप्पगौंडनपुथुर गांव से एक रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है।

36 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी तीन नाबालिग बेटियों की बेरहमी से गला काटकर हत्या कर दी और फिर खुद अपना गला रेतकर आत्महत्या कर ली।

इससे पहले उसने पत्नी और बेटे को अलग कमरे में बंद कर दिया था। इस वारदात की चौंकाने वाली वजह भी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, यह खौफनाक घटना मंगलवार तड़के करीब 3 बजे की है। आरोपी की पहचान एम. गोविंदराज के रूप में हुई है, जिसने पहले अपनी बेटियों प्रतीक्षाश्री (10), ऋतिकाश्री (7) और देवाश्री (6)की क्रूरता पूर्वक हत्या की और फिर चाकू से अपना गला काटकर जान दे दी।

राहुल बोले-ट्रम्प धमका रहे, मोदी सामना नहीं कर पा रहे

अडाणी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच से उनके हाथ बंधे हैं

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, ट्रम्प की धमकियों के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अडाणी के खिलाफ अमेरिकी जांच चल रही है। ऐसे में मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। मोदी का एए (अडाणी–अंबानी) के साथ क्या संबंध है, यह उजागर हो चुका है। पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे।

अर्थसार

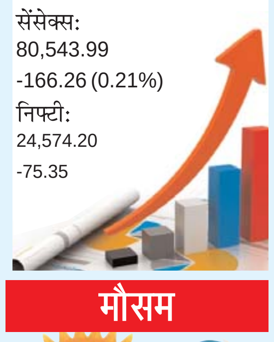

सेंसेक्स:
80,543.99
-166.26 (0.21%)
निफ्टी:
24,574.20
-75.35

मौसम

अधिकतम : 34 डिग्री से0
न्यूनतम : 28 डिग्री से0
सूयोदय शुक्रवार : 5 : 47
सूर्यास्त गुरुवार : 7 : 16

कुबेरेश्वर धाम आए 3 और श्रद्धालुओं की मौत, 3 घायल

2 दिन में 5 लोगों की गई जान; कांवड़ यात्रा में 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आए

एजेंसी

सीहोर। सीहोर में बुधवार को पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में कांवड़ यात्रा में शामिल होने आए तीन और लोगों की मौत हो गई।

इनमें से एक की मौत धाम में अचानक चक्कर आकर गिरने से हुई है, जबकि दूसरे व्यक्ति की मौत एक होटल के सामने खड़े–खड़े गिर जाने से हुई है। एक शख्स की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है।

वहीं एक महिला को अचेत हालत में जिला अस्पताल लाया गया है। जबकि अलग–अलग कारणों से तीन लोग घायल हो गए हैं।

मंगलवार को भगदड़ में दो श्रद्धालुओं की हुई थी मौत

इससे पहले मंगलवार को कुबेरेश्वर धाम में मची भगदड़ में दो महिलाओं की मौत हुई थी। उनकी पहचान आज हुई है। एक का नाम जसवंती बेन (उम्र 56 वर्ष) पति चंदू भाई है, वह ओम नगर राजकोट गुजरात से है, जबकि दूसरी महिला का नाम संगीता गुप्ता (उम्र 48 वर्ष) पति मनोज गुप्ता निवासी फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश है।

सवाल

दिल्ली हाईकोर्ट का सरकार से सवाल; सीडीएस एग्जाम में महिलाओं से सिर्फ ओडीए में आवेदन मांगे

महिला अफसरों को सेना में स्थायी नौकरी क्यों नहीं?

नई दिल्ली। भारतीय सेना में महिला अफसरों को स्थायी कमीशन (परमानेंट कमीशन) न दिए जाने का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया है कि संयुक्त रक्षा सेवा (CDS) परीक्षा के माध्यम से महिलाओं को भारतीय सैन्य अकादमी (IMA), नौसेना अकादमी (INA), और वायुसेना अकादमी (AFA) में प्रवेश क्यों नहीं दिया जा रहा। मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस नीति को लेकर सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इसे गंभीर मामला बताते हुए महिलाओं को सेना में समान

भागीदारी न मिलने पर चिंता जताई। याचिकाकर्ता वकील कुश कालरा ने तर्क दिया कि महिलाओं को ष्टष्ठस् के जरिए IMA, INA, और AFA में शामिल न करना संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 16 (सरकारी नौकरियों में समान अवसर), और अनुच्छेद 19(1)(जी) (पसंद का पेशा चुनने का अधिकार) का उल्लंघन है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के 2020 के ऐतिहासिक फैसले का हवाला दिया गया, जिसमें कहा गया था कि महिला अफसरों को पुरुषों के समान स्थायी कमीशन और कमांड पोस्टिंग का अधिकार है। साथ ही, 2021 में महिलाओं को नेशनल डिफेंस एकेडमी में शामिल होने की अनुमति भी दी गई थी।

वर्तमान में, महिलाएं केवल ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, चेन्नई के जरिए सेना में शामिल हो सकती हैं, जहां उन्हें शॉर्ट सर्विस कमीशन मिलता है। यह सेवा 10 साल की होती है, जिसे अधिकतम 14 साल तक बढ़ाया जा सकता है। वहीं, IMA, INA, और AFA से पास होने वाले अफसरों को स्थायी कमीशन मिलता है, जिससे उनका करियर लंबा और स्थिर रहता है। OTA में 49 हफ्तों की ट्रेनिंग दी जाती है, जबकि IMA, INA, और AFA में 18 महीने की कठिन ट्रेनिंग होती है। सुप्रीम कोर्ट के 2020 के फैसले के बाद कई महिला अफसरों को स्थायी कमीशन और कमांडिंग भूमिकाएं मिली हैं। फिर भी, सीडीएस के जरिए प्रवेश पर प्रतिबंध भेदभावपूर्ण माना जा रहा है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह नीति बिना किसी तार्किक आधार के है। सेना में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को देखते हुए, यह मामला समानता और अवसरों की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

संपादकीय

ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ के सामने भारत की स्थिति — क्या पीएम झुक रहे हैं?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोपने का ऐलान किया — जिसमें 25 प्रतिशत का अतिरिक्त 'दंडात्मक टैरिफ' रूस से तेल आयात के बहाने जोड़ा गया। यह सिर्फ व्यापारिक कदम नहीं, बल्कि भारत-अमेरिका रिश्तों में एक नया भू-राजनीतिक तनाव है।

ट्रंप का आरोप है — भारत रूस से भारी मात्रा में तेल और सैन्य उपकरण खरीदकर यूक्रेन युद्ध को लंबा खींच रहा है। जवाब में भारत ने साफ कहा — रूस से तेल आयात हमारी ऊर्जा जरूरत और वैश्विक बाजार की वास्तविकता है। विदेश मंत्रालय ने पश्चिमी देशों का दोहरा मापदंड उजागर किया — जब अमेरिका और यूरोप खुद रूस से व्यापार कर रहे हैं, तो भारत को क्यों निशाना बनाया जा रहा है?

'दोस्ती' और दबाव के बीच

'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' जैसी रैलियों में मोदी-ट्रंप की दोस्ती को खूब बेचा गया। लेकिन यह टैरिफ पॉलिसी उस 'दोस्ती' पर बड़ा सवाल है — क्या यह निजी रिश्ते की मजबूती थी, या सिर्फ कैमरे की फ्लैश लाइट?

विपक्ष इसे 'आर्थिक ब्लैकमेल के सामने चुप्पी' कह रहा है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जैसे नेता पूछ रहे हैं — क्या मोदी सरकार अमेरिकी दबाव में झुक रही है?

कड़वी सच्चाई — भारत का अमेरिकी व्यापार घाटा

भारत-अमेरिका का द्विपक्षीय व्यापार 190 अरब डॉलर का है, जिसमें भारत को 45 अरब डॉलर का व्यापार घाटा है। ट्रंप चाहते हैं कि भारत कृषि और डेयरी सेक्टर का दरवाजा खोले — जो भारत के किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए खतरे की घंटी है।

सरकार ने फिलहाल इन मांगों को ठुकराया है — यह सही में एक सख्त रुख है। लेकिन क्या यह रुख आने वाले महीनों तक टिक पाएगा, जब अमेरिकी लॉबी और बहुराष्ट्रीय कंपनियां दबाव बढ़ाएंगी?

मेक इन इंडिया बनाम अमेरिकी शर्तें

वाराणसी की रैली में मोदी ने 'मेक इन इंडिया' और 'स्वदेशी' का मंत्र दोहराया। लेकिन यह मंत्र तभी सार्थक होगा, जब स्थानीय उद्योगों को अमेरिकी बाज़ार के दबाव से बचाया जा सके।

- क्या हम अमेरिकी बाज़ार खोने का जोखिम उठाने को तैयार हैं?
- या फिर जल्द ही समझौते की टेबल पर लौटेंगे?

असर — कितना गहरा?

सरकार का दावा है — टैरिफ का असर जीडीपी पर सिर्फ 0.2–0.3 प्रतिशत होगा। लेकिन असली मार छोटे और मध्यम निर्यातकों पर पड़ेगी, जिनके लिए अमेरिकी बाज़ार ही मुख्य कमाई का जरिया है। टेक्सटाइल, जेम्स-एंड-ज्वेलरी और लेदर सेक्टर पहले ही दबाव में हैं।

निचोड़

यह लड़ाई सिर्फ टैरिफ की नहीं — यह आर्थिक संप्रभुता बनाम भू-राजनीतिक दबाव की लड़ाई है। मोदी सरकार के सामने विकल्प साफ हैं:

1. अमेरिकी दबाव में आकर नीतियों में ढील देना,
2. या फिर व्यापार घाटे, राजनीतिक जोखिम और कूटनीतिक तनाव झेलते हुए भी अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की रक्षा करना।

ट्रंप के इस कदम ने भारत को आईना दिखा दिया है — दोस्ती की तस्वीरें और हैं, और भू-राजनीति का असली खेल कुछ और।

यशस्वी क्रिकेटरों ने इंग्लैंड में रचे इतिहास

सही मायनों में, दिग्गज क्रिकेटरों की अनुपस्थिति में युवा भारतीय क्रिकेटरों ने इंग्लैंड की धरती पर नया इतिहास रचा है। ओवल टेस्ट में उन्होंने इंग्लैंड के मुंह से जीत छीन ली। जो मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, उसे अपनी जीत में बदल दिया। लगातार रोमांचक होते मैच को जीतकर टीम ने न केवल मैच जीता बल्कि श्रृंखला को भी दो-दो से बराबरी पर ला खड़ा किया। युवा तुर्कों ने उन तमाम क्रिकेट पंडितों की भविष्यवाणियों को बेकार साबित किया, जो इंग्लैंड टीम द्वारा श्रृंखला जीतने के दावे कर रहे थे। ओवल टेस्ट के अंतिम क्षणों में मोहम्मद सिराज ने तो मैच का पासा ही पलट दिया। मैच के रोमांच ने बताया कि क्यों क्रिकेट पंडित टेस्ट क्रिकेट को असली क्रिकेट की संज्ञा देते हैं। भारत के धुरंधर क्रिकेटरों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ उतरी इस टीम ने कई इतिहास रचे, कई रिकॉर्ड तोड़े और नये रिकॉर्ड बनाए। भारतीय क्रिकेट के पिछले 93 साल के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी श्रृंखला में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने चार सौ से अधिक रन बनाए हों। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये रन तेज गति व उछाल लेती पिचों के बीच बनाये। उन्होंने पूरे दमखम के साथ तेज ब्रिटिश गेंदबाजों का मुकाबला किया। दरअसल, लीड्स व लॉर्ड्स के मैच भारतीय टीम को करीबी मुकाबले में खोने पड़े अन्यथा टीम श्रृंखला भी जीत सकती थी। कप्तान शुभमन गिल की इसलिए भी तारीफ करनी होगी कि उन्होंने विदेशी पिच पर कप्तानी के दबाव के बीच भरपूर व सर्वाधिक रन बनाये। कई रिकॉर्ड्स उनकी सफल कप्तानी के गवाह हैं। मोहम्मद सिराज ने निर्णायक भूमिका निभाते हुए न केवल अंतिम कीमती विकट लिए बल्कि पूरे मैच में नौ विकेट लेने के कारण 'मैन ऑफ द मैच' भी बने। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने भी दोनों पारियों में चार-चार विकेट लेकर अपने नाम के अनुरूप प्रसिद्धि हासिल की। ओवल मैच में यशस्वी जायसवाल,आकाशदीप, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन के बल्लों से निकले रन भी इस जीत में खूब काम आए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने यह भी साबित किया कि वह विदेशी धरती में, विषम परिस्थितियों में व नामचीन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जीत की इबारत लिख सकती है। लगता है जूझते हुए आसन्न हार को जीत में बदलने का हुनर भी टीम ने सीख लिया। जीत के जुनून को हर समय महसूस किया गया। संयुक्त रूप से मैन ऑफ द सीरीज बने शुभमन गिल के बल्ले से खूब रन बरसे। वे इस श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। यदि वे बीस रन और बना पाते तो एक श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। वहीं श्रृंखला में मोहम्मद सिराज नये सितारे बनकर उभरे और उन्होंने सिरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए। निस्संदेह, यह रोमाचक श्रृंखला टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में एक बेहतरीन श्रृंखला रही। पांचों टेस्ट मैचों में भारतीय टीम जीत के लिये जूझती नजर आई। शुभमन गिल कहीं से नहीं लगे कि वे एक नये कप्तान हैं। वे विराट कोहली और रोहित शर्मा के शानदार विकल्प के रूप में सामने आए हैं। भले ही भारत ने छह रन से ओवल टेस्ट जीता हो मगर यह इतिहास में एक बड़ी जीत के रूप में दर्ज की जाएगी। जिसने हाथ से निकलती सीरीज को बराबरी के स्तर पर ला खड़ा किया।

ताकि भगदड़ के हादसों पर लग सके लगाम

उमेश चतुर्वेदी

भगदड़ की घटनाओं को लेकर अपनी व्यवस्था कितना संजीदा है, इसी साल हुई घटनाओं से इसका अनुमान लगाया जा सकता है। साल 2025 में ही सात घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें आधिकारिक तौर पर 81 लोगों की जान जा चुकी है।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ की सुर्खियों की स्याही अभी सूखी नहीं कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से भी भगदड़ की खबर आ गई है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर देश तेजी से कदम बढ़ा रहा है। तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था का मतलब है कि तकनीक और सहूलियतों से देश लैस होता जा रहा है। इस संदर्भ में जब भगदड़ की घटनाएं सामने आती हैं तो आधुनिकता से कदमताल करने वाली ये छवियां दरकने लगती हैं। ऐसा नहीं कि देश का ध्यान इस विरोधाभास की ओर नहीं है। फिर भी ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। ऐसी घटनाएं जब भी होती हैं तो एहतियाती कदम उठाए जाने की प्रशासनिक तंत्र की ओर से घोषणाएं होती हैं। कुछ दिन में देश ऐसी घटनाओं को भुला देता है। अभी भूलने और भुलाने का यह खेल जारी ही रहता है कि कोई नई घटना आ जाती है और एहतियाती कदमों का ऐलान महज हवा-हवाई बनकर रह जाता है।

भगदड़ की घटनाओं को लेकर अपनी व्यवस्था कितना संजीदा है, इसी साल हुई घटनाओं से इसका अनुमान लगाया जा सकता है। साल 2025 में ही सात घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें आधिकारिक तौर पर 81 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं। दिलचस्प यह है कि ये घटनाएं कुंभ जैसे भीड़भाड़ वाले सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन में तो हुई हीं, राष्ट्रीय राजधानी के रेलवे स्टेशन से लेकर गोवा जैसे कम जनसंख्या वाले राज्य में भी घटीं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नई सदी के बाइस साल में 23 बार भगदड़ मची, जिनमें करीब डेढ़ हजार लोगों को जान गंवानी पड़ी। इन घटनाओं में घायल लोगों में से कई दिव्यांग बन गए तो कई को ऐसा मानसिक आघात लगा कि उससे अभी तक उबर नहीं पाए हैं।

भगदड़ की घटनाओं के लिए नागरिक बोध की कमी को पहला कारण माना जाता है। लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिए कि भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं प्रशासनिक तंत्र की खामी की वजह से होती है। मसलन, 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर घटी घटना की वजह रेलवे अधिकारियों की सोच रही, जिन्होंने आनन-फानन में ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदल दिया और उसमें जगह पाने के लिए लोग दौड़ पड़े। दुनिया की बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में अधिकारियों का कल्पनाशील और अनुमानशील होना जरूरी माना जाता है। लेकिन भारतीय प्रशासनिक ढांचे इस कल्पनाशीलता की अक्सर कमी नजर आती है। उसे भावी संकटों और समस्याओं का अनुमान लगाने के लिए जरूरी सोच की कमी है। वह किसी समस्या का अंदाजा लगाकर उसे शुरू में रोकने और व्यवस्थित करने की बजाय आखिरी छोर पर निबटने की सोच से लगातार लैस रहता है। मेले-ठेले में जाने वाले लोगों की भीड़ को मेले में घुसने से पहले व्यवस्थित करने और उसे रोकने में भारतीय प्रशासनिक तंत्र की दिलचस्पी कम होती है, लेकिन जब मेले में भीड़ बढ़ जाती है तो मेले वाली जगह के दरवाजे पर वह अचानक से रोक लगा देता है। जबकि होना यह चाहिए कि मेले की ओर जान वाले रास्ते पर भीड़ को देखते हुए रोक लगा दी जाए। दरवाजे पर भीड़ को रोकने से मेले में भीड़ भले ही ना घुसे, लेकिन पीछे से आ रहे रेले पर रोक नहीं लग पाती। इससे बैरिकेट वाली जगह पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। पीछे वाली भीड़ के दबाव के चलते एक वक्त ऐसा आता है कि बैरिकेट का कोई मतलब नहीं रह जाता। फिर रेला लोगों को धकियाते आगे बढ़ने लगता है। इस बीच कोई गिर गया तो पीछे वाले के पास ना तो इतना वक्त होता है कि वह समझ पाए ना ही इतनी क्षमता कि पीछे वाली भीड़ को रोक पाए। वह सामने गिरे व्यक्ति के शरीर की ओर अपना पैर बढ़ाने से रोक भी नहीं पाता। इसी दौरान गिरे हुए लोग दूसरे लोगों के पांवों से कुचलते चले जाते हैं। प्रयागराज की भगदड़ की भी वजह यही थी। भीड़ पीछे नहीं रोकी गई, स्नान केंद्र के पास रोकी गई। इसकी वजह से बैरिकेट पर दबाव बढ़ा और पीछे से आए रेला ने इसकी परवाह नहीं कि कौन गिरा है और किसके पेट,पीठ या सिर पर उसका पैर पड़ रहा है।

भगदड़ के बारे में एक अवधारणा रही है कि गरीब-गुरबा और अशिक्षित लोग ही इसके शिकार बनते हैं। लेकिन यह अधूरा सच है। यह सच है कि उत्तर भारत के मंदिरों में दर्शनार्थियों की भीड़ में ज्यादार निम्न मध्यम वर्ग के लोग होते हैं।

उत्तर भारत में मंदिरों तक में वीआईपी संस्कृति का बोलबाला है। इसकी तुलना में दक्षिण भारतीय मंदिरों में वीआईपी संस्कृति कुछ कम है। हालांकि दक्षिण के भी कई मंदिरों में दर्शन की व्यवस्था में वीआईपी संस्कृति का तड़का रहता है। लेकिन तुलनात्मक रूप से उत्तर में यह संस्कृति ज्यादा है। इसलिए उत्तर के मंदिरों और धार्मिक मेले-ठेले में अनुशासनहीन भीड़ की बहुलता होती है। चूंकि प्रशासनिक तंत्र कल्पनाशीलता से उन्हें व्यवस्थित नहीं कर पाता, लिहाजा भगदड़ की दुर्भाग्यजनक घटनाएं हो जाती हैं।

इसमें दो राय नहीं कि भारत की एक बड़ी समस्या भारत की बड़ी जनसंख्या भी है। हालांकि आज की राजनीति का एक हिस्सा इसे समस्या नहीं मानती। क्योंकि उसका आधार वोट इसी भीड़तंत्र से ही विकसित होता है। भारत में एक बड़ी समस्या यह है कि भीड़ को अनुशासित करने का संस्कार और शिक्षण पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर नहीं है। इसकी वजह से मौका पाते ही हर व्यक्ति रसूख के साथ भीड़ से निकलना चाहता है या फिर अपना वर्चस्ववादी स्वभाव दिखाना चाहता है। प्रशासनिक तंत्र इस मानस के आगे कभी रसूख देख झुक जाता है तो कभी वह सोच भी नहीं पाता कि इसके नकारात्मक असर क्या-क्या हो सकते हैं। ऐसे में कई बार पिछड़ती हुई भीड़ अपना आपा भी खो देती है। भारत का एक बड़ा हिस्सा अरसे तक चूंकि गरीबी की मार झेलता रहा है, इसलिए उसके अवचेतन में कुछ पाने की चाह में दूसरों को पीछे छोड़ने की सोच हावी रहती है। इसमें अगर अफवाह अगर मिल जाती है तो हालात भयावह हो जाते हैं। कह सकते हैं कि संस्कार और सोच की कमी, व्यवस्था को सुचारू बनाने की जिम्मेदारी निभाने वाले तंत्र की कल्पनाहीनता और घनी जनसंख्या का कोलाज के सामने उनके बेपटरी होने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसा जब होता है तो हादसों के रूप में उसका भयावह नतीजा सामने आता है।

ऐसे में सवाल यह है कि क्या ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती कि देश के भीड़भाड़ वाले आयोजन बिना किसी भगदड़ या अव्यवस्था के संपन्न हो सकें। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक मुकम्मल नीति बनाने और उसे कड़ाई से लागू करने की जरूरत है। हमें पता है कि आज के दौर की हर कठिन राह को तकनीक नेआसान की है। इसने तमाम समस्याओं के समाधान की नई राहें भी निकाली हैं। नीतिगत स्तर पर प्रशासनिक तंत्र को तकनीक के इस्तेमाल के लिए तैयार किया जाना होगा। प्रशासनिक तंत्र को इसके लिए प्रशिक्षित किया जाना होगा कि तकनीक के इस्तेमाल से वे ठीक से पता लगा पाएं कि किस बिंदु पर भीड़ को रोका जाना चाहिए, कहां बैरिकेटिंग करके भीड़ को नियंत्रित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही प्रशासनिक तंत्र की सोच में कल्पनाशीलता को बढ़ावा देने के लिए भी तैयार करना होगा। प्रशासनिक तंत्र समस्याओं का अनुमान लगाने वाला मानस विकसित कर सके, इसके लिए भी जरूरी इंतजाम करना होगा। इसके साथ ही, भीड़ को अनुशासित करने के लिए दो स्तरों पर काम करना होगा। स्कूली स्तर से ही इस दिशा में शिक्षा और संस्कार देना होगा। साथ ही, आम लोगों को पीछे छोड़ने या किनारे रखने वाली वीआईपी संस्कृति पर पूरी तरह रोक लगाना भी इस दिशा में बेहद जरूरी कदम होना चाहिए। इसके साथ ही अफवाहों पर लगाम लगाने के मुकम्मल इंतजाम होने चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में अपनी भीड़ को सुरक्षित और बेहतर आयोजन का उपहार दे पाएंगे।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3613

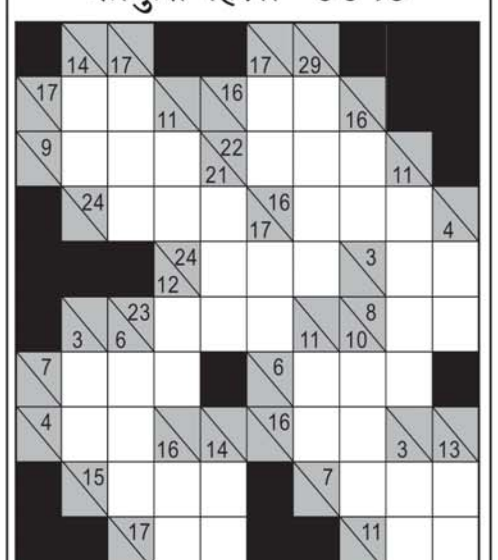

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

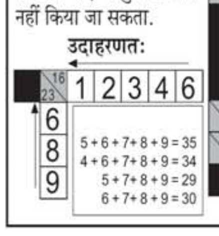

काकुरो - 3612 का हल

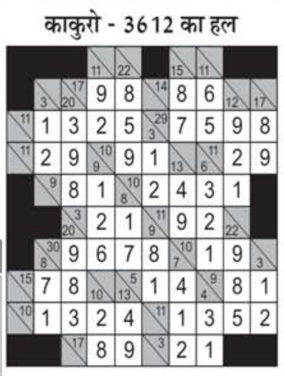

हंसी के फूव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा- 'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया- 'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है.'

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3613

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3612

सूडोकु -3613

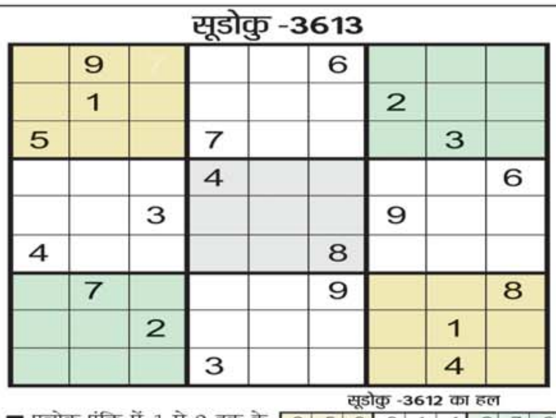

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3612 का हल

शब्द पहेली - 3613

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली - 3612 का हल

नोएडा प्राधिकरण पहुंची सीबीआई की टीम

10 बिल्डर के कंस्ट्रक्शन स्टेटस की ली जानकारी, साइट का किया स्थलीय निरीक्षण

नोएडा। नोएडा में सबवेंशन स्कीम के तहत सीबीआई ने 22 बिल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसमें 10 बिल्डर नोएडा प्राधिकरण से जुड़े है। बुधवार को सीबीआई की टीम प्राधिकरण पहुंची। यहां 10 बिल्डर की कंस्ट्रक्शन से जुड़ी जानकारी ली गई। इनके कंस्ट्रक्शन स्टेटस आवंटन और बकाया से संबंधित जानकारी ली गई। साइट पर कितना के ओसी , सीसी जारी किया गया। प्राधिकरण में करीब डेढ़ घंटे के आसपास टीम रही। इसके बाद सीबीआई ने साइट का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

दोपहर करीब डेढ़ बजे के आसपास सीबीआई की टीम सेक्टर-6 स्थित नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय पहुंचे।

वे ग्रुप हाउसिंग विभाग गए वहां अधिकारियों ने उन्होंने 10 बिल्डर जिसमें सुपरटेक के तीन साइट, लॉजिक्स समेत अन्य बिल्डरों के कंस्ट्रक्शन स्टेटस से संबंधित जानकारी जुटाई। इसे नोटिफाइड किया और स्थलीय निरीक्षण करने चले गए। बता दे सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत सीबीआई सबवेंशन स्कीम के तहत किए गए घोटाले की जांच कर रही है। हाल ही में सीबीआई ने इस संबंध में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद स्थानों पर रेड कंडक्ट की थी। तलाशी के दौरान विभिन्न दस्तावेज और कुछ डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किए गए थे। जिसके बाद बुधवार को सीबीआई की टीम नोएडा प्राधिकरण पहुंची।

बिल्डर 2014 में लाए थे सबवेंशन स्कीम

नोएडा, ग्रेटर नोएडा में सबवेंशन स्कीम के तहत लाई गई ग्रुप हाउसिंग योजनाओं की शुरुआत 2014 के आसपास हुई थी। योजना में धांधली के लिए कुछ बिल्डरों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंकों से लोन पास कराए। बैंकों ने बिना मूल्यांकन और निरीक्षण के रकम जारी कर दी।

अधिकारियों के अनुसार, बिल्डर और बैंक के बीच अघोषित समझौते के तहत बैंकों ने बिल्डरों को लोन की पूरी राशि दे दी।

शर्तों के तहत फ्लैट का कब्जा मिलने तक बिल्डर को ही ईएमआई का भुगतान करना था, लेकिन कुछ समय बाद बिल्डरों ने ईएमआई देनी बंद कर दी और खरीदारों को फ्लैट भी नहीं दिए। इससे खरीदारों पर ईएमआई का बोझ आ गया और बड़ी संख्या में खरीदार डिफॉल्टर हो गए। कुछ वर्षों बाद इन योजनाओं को लाने वाले अधिकांश बिल्डर दिवालिया हो गए।

नोएडा पुलिस ने 2 आरोपी को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के थाना फेज-2 पुलिस ने एक बड़े ठग गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो लोगों को पैसा डबल करने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी कर चुके हैं।

इस बार इन्होंने सलारपुर गांव के एक दुकानदार को अपना शिकार बनाया था, जिससे इन्होंने पहले भरोसा जीता और फिर 5 लाख 60 हजार रुपए ठग लिए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को सेक्टर-81 के भूड़ा कट इलाके से गिरफ्तार किया है। उनके पास से 51 हजार रुपए नगद भी बरामद किए गए हैं।

सलारपुर गांव में परचून की दुकान चलाने वाले पुरुषोत्तम कुमार ने पुलिस को बताया कि 29 जून को गांव का ही एक युवक प्रकाश कुमार उर्फ सन्नी, दिल्ली के दल्लूपुरा निवासी अपने दोस्त सत्तार को दुकान पर लेकर आया।

दोनों ने कुछ दिन तक दुकान पर आना-जाना किया और फिर दोस्ती बढ़ा ली। इसके बाद दोनों ने पुरुषोत्तम को एक सप्ताह में रकम दोगुनी करने का ऑफर दिया, और बदले में 10 फीसदी कमीशन लेने की बात कही। शुरू में भरोसा न होने पर जब पुरुषोत्तम ने पहली बार 500 रुपये दिए, तो एक सप्ताह बाद शातिरों ने 900 रुपए वापस लौटा दिए।

एल्विश यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

सांप के जहर से जुड़ी आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाई

नोएडा/नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को बुधवार को बड़ी राहत दी। एल्विश के खिलाफ चल रही सांप के जहर से जुड़ी आपराधिक कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। एल्विश ने इस मामले में चार्जशीट और मुकदमे की प्रक्रिया को चुनौती दी थी। सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। अब अगली सुनवाई तक लोअर कोर्ट में मामले की सुनवाई नहीं होगी।

एल्विश बोले- निर्दोष हूं, झूठा फंसाया गया

नोएडा पुलिस ने एल्विश यादव समेत कुछ लोगों पर सांप का जहर पार्टी में इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए

एफआईआर दर्ज की थी। आरोप था कि उन्होंने एक पार्टी में अवैध तरीके से सांपों और जहर का इस्तेमाल किया था। इस मामले में वन विभाग और पुलिस की जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की गई। एल्विश ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उनके खिलाफ गलत और बिना सबूत के आरोप लगाए गए हैं। वे निर्दोष हैं और उन्हें झूठा फंसाया गया है।

महिला जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक सम्पन्न

- विकास भवन के सभागार में महिलाओं से संबंधित मामलों की जनसुनवाई करते हुए सम्बंधित विभागों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश
- अधिकारीगण शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेकर करें निस्तारण, शिकायतकर्ता से रखें मधुर व्यवहार : राज्य महिला आयोग

गौतम बुद्ध नगर। राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की माननीय सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला की अध्यक्षता में आज विकास भवन के सभागार में महिला कल्याण योजनाओं की समीक्षा एवं जनसुनवाई की आयोजित बैठक सम्पन्न हुई।

जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा महिलाओं से संबंधित प्रकरणों में की गई कार्रवाई की वर्तमान स्थिति से माननीय सदस्य को अवगत कराया गया। सदस्य ने महिलाओं के हितार्थ संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र महिला उनके हितार्थ संचालित की जा रही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचे और लाभार्थियों को शत-प्रतिशत उनके अधिकार मिलें।

माननीय सदस्य द्वारा जनसुनवाई के दौरान कुल 12 महिलाओं की समस्याओं को सुना गया एवं संबंधित विभागाध्यक्षों से वार्ता कर निस्तारण के निर्देश दिए तथा लंबित चल रहे मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट महिला आयोग, लखनऊ को भेजने के निर्देश दिए गए।

माननीय सदस्य ने कहा कि महिला सुरक्षा उत्तर प्रदेश शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिस और

प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिकायतकर्ताओं के साथ मधुर, सहयोगात्मक और सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, एसीपी प्रंशाली गंगवार, जिला कार्यक्रम अधिकारी तरुण वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला दिव्यांगजन अधिकारी आशीष कुमार, जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत माननीय सदस्य द्वारा 02 आंगनबाड़ी केंद्र एवं जिला कारागार कासना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान माननीय सदस्य द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से संवाद किया एवं जिला कारागार में महिला बंदियों की समस्याओं का अनुश्रवण करते हुए संबंधित अधिकारियों का आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार जेल अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा और फरीदाबाद को जोड़ेगी नई सड़क

सिर्फ 30 मिनट में मंझावली पुल से सफर होगा, 65 करोड़ रुपए की मिली मंजूरी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा को फरीदाबाद के मंझावली पुल से जोड़ा जाएगा। इसके लिए गौतमबुद्ध नगर की सीमा में मंझावली पुल तक 1.7 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। 5 किलोमीटर तक सड़क को 4 लेन करने की भी योजना है। शासन ने सड़क निर्माण के लिए 65 करोड़ रुपए से अधिक के बजट को मंजूरी दे दी है। इस सड़क के बनने से फरीदाबाद के लोग आसानी से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि सड़क बन जाने से ग्रेटर नोएडा और फरीदाबाद के बीच केवल 20 से 30 मिनट में सफर पूरा किया जा सकेगा। वर्तमान नोएडा और दिल्ली होकर जाने वाले लोगों को इसे पूरा करने में दो घंटे लगते है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तहत प्रमुख निर्माण परियोजनाओं की प्रगति और विशिष्टताओं की समीक्षा के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान यह मंजूरी दी गई।

पुरानी सड़क को किया जाएगा चौड़ा

जिन प्रस्तावों पर चर्चा हुई, उनमें से एक फरीदाबाद-ग्रेटर नोएडा एकीकृत सर्किट परियोजना है। ये फरीदाबाद में जसाना, मंझावली और ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के पास अट्टा गुजरान के माध्यम से दोनों शहरों को जोड़ेगी। इसके तहत 1.7 किलोमीटर लम्बी नई सड़क बनाई जाएगी साथ ही 3 किलोमीटर से अधिक मौजूदा सड़क को चौड़ा किया जाएगा।

सड़क न बनने से परेशान लोग

मंझावली पुल का निर्माण कार्य 2014 में शुरू हुआ था, लेकिन ग्रेटर नोएडा में भूमि विवाद के कारण यह रास्ता पिछले 11 सालों से अटका है। लंबे समय से सड़क नहीं बनने से लोग परेशान हैं। फरीदाबाद जल्दी पहुंचने के लिए लोग कच्ची सड़क से ही गुजरकर पुल पर वाहनों के साथ जा रहे हैं। इससे हादसे का खतरा बना रहता है।

110 किसानों को मिलेगा मुआवजा

सड़क के लिए चार गांवों की कुल 6.888 हेक्टेयर जमीन की खरीद जारी है। जिला प्रशासन किसानों से कुल 3,720 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से जमीन खरीद रहा है। यह जमीन कुल 110 किसानों से खरीदी जाएगी। मुआवजे के लिए जिला प्रशासन को 25 करोड़ का बजट पूर्व में दिया जा चुका है।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंचना आसान

जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चालू हो जाने के बाद, मंझावली पुल और उससे जुड़ी सड़क हरियाणा के मुसाफिरों के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी होगी।

इससे कालिंदी कुंज फ्लाईओवर और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे जैसे मौजूदा रास्तों पर भी भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है।

नोएडा में युवती ने कंपनी कर्मचारी पर लगाए आरोप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में इकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र की एक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में अप्रेंटिस कर रही एक युवती ने कंपनी के कर्मचारियों पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि उस पर जबरन दोस्ती करने और टूर पर घूमने जाने का दबाव बनाया गया।

इतना ही नहीं उसके भाई को भी नौकरी से निकाल दिया गया। पीड़िता ने मामले की शिकायत इकोटेक-3 थाने में की, जिसके आधार पर पुलिस ने कंपनी के सुपरवाइजर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता बिसरख कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है और मल्होत्रा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में अप्रेंटिस के तौर पर काम कर रही थी। उसके भाई की भी उसी कंपनी में नौकरी थी, जिसे एक महीने पहले निकाल दिया गया।

दोस्ती करो या नौकरी छोड़ने का दबाव

युवती का आरोप है कि कंपनी के लाइन हेड और सुपरवाइजर राजाराम उसे लगातार एक वरिष्ठ अधिकारी से जबरन दोस्ती करने और टूर पर साथ जाने के लिए मजबूर कर रहे थे। जब उसने इनकार किया, तो उसका मानसिक उत्पीड़न शुरू कर दिया गया। परिजनों को जब घटना की जानकारी हुई, तो उसके पिता ने कंपनी के एचआर ऑफिस में जाकर जीएम और अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर पूरी बात रखी। लेकिन कंपनी की तरफ से न तो कोई कार्रवाई की गई, और न ही उत्पीड़न को रोका गया।

शार्ट न्यूज

सेक्टर 42 में मिला युवक का शव, माल के काजो ब्रांड में हाउसकीपिंग का काम करता था

नोएडा। वकार सैफी। थाना 39 क्षेत्र में सेक्टर 42 स्थित आर क्यूब मोनाड माल के माल के सामने पार्क में एक युवक का शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की फील्ड यूनिट नाम मौके का निरीक्षण करने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दे कि एडिशनल डीसीपी ने बताया कि पूछताछ से मृतक युवक की पहचान अजय हालदार के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला है और नोएडा के सेक्टर 31 निठारी में रह रहा था। युवक के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिलें. उसकी जेब से नशीला इंजेक्शन और सीरींज मिली है। मौके पहुंचे मृतक के परिजन ने बताया की अजय हालदार नशे का आदी था और आर क्यूब मोनाड मॉल में काजो ब्रांड में हाउसकीपिंग का काम करता था। पुलिस ने सबका पंचनामा भर जांच शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी है।

एक कंपनी के सीनियर मैनेजर ने किया सुसाइड

नोएडा। नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने फांसी से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पहचान विकास कुमार (34) पुत्र उदय शंकर शाह हुई है। विकास बिसरख के स्प्रिंग मेडोस में परिवार के साथ रहता था। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस विकास को अस्पताल लेकर पहुंची। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस विकास का मोबाइल और परिजनों से पूछताछ कर रही है। विकास कुमार टैक्निप कंपनी में बतौर सीनियर मैनेजर काम करता था। फरवरी 2025 में ही उसकी शादी मैट्रिमोनियल साइट के जरिए एकता कुमारी से हुई थी। बताया गया कि कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। इसके बाद विकास किसी बात को लेकर परेशान रहने लगा। जिस समय विकास ने सुसाइड किया घर पर कोई नहीं था। उसने अपने कमरे में लगे पंखे से फंदा लगाया सुसाइड कर लिया। परिजनों का आरोप है कि- विकास को सुसाइड के लिए उकसाया गया। जिसके चलते उसने ये कदम उठाया। हालांकि पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है।

नोएडा में शोर मचाने पर छात्र को पीटने का आरोप

नोएडा। तीसरी कक्षा में शोर मचाना एक छात्र को इतना भारी पड़ गया कि शिक्षक ने गुस्से में आकर उसे डंडे से बुरी तरह पीट दिया। परिजनों का आरोप है कि पिटाई से छात्र इतना डर गया था कि उसने कई दिनों तक शिक्षक की हरकत के बारे में नहीं बताया था। छात्र के कंधे में फैक्चर होने पर उसे चाइल्ड पीजीआई में भर्ती कराया है। पिता ने शिक्षक के खिलाफ सेक्टर-39 थाना पुलिस को शिकायत दी है। कांशीराम प्राथमिक विद्यालय के प्रिंसिपल संजय कुमार ने बताया कि पीयूष कई दिनों से स्कूल नहीं आ रहा है। उसको स्कूल में नहीं पीटा गया था। मूलरूप से जिला एटा के रहने वाले सचिन राय सदरपुर में किराए के मकान में रहते हैं। उनके परिवार में दो बेटे पीयूष आठ साल का और अनमोल सात साल व पत्नी हैं। डेढ़ महीने पहले उन्होंने कांशीराम प्राथमिक विद्यालय में पीयूष का कक्षा तीसरी में जबकि अनमोल का कक्षा दूसरी में दाखिला कराया था। सचिन और उनकी पत्नी दोनों सदरपुर के बाजार में झाड़ू लगाकर घर का गुजारा करते हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने रैपिडो से की साझेदारी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) अपने यहां आने वाले मुसाफिरों को लास्ट माइल कनेक्टविटी देगा। इसके लिए ऐप आधारित परिवहन विकल्प दिए जा रहे हैं। इस क्रम में एनआईए ने राइड-शेयरिंग प्लेटफार्म, रैपिडो के साथ साझेदारी की। इसके तहत टर्मिनल परिसर के अंदर रैपिडो पिक-अप जोन भी होगा। रैपिडो मुसाफिरों को रीयल-टाइम राइड ट्रैकिंग, केशलैस भुगतान, ड्राइवर और वाहन की जानकारी, इन-ऐप एसओएस बटन और कई राइड श्रेणियां देगा। ये सुविधा मुसाफिरों को 24 घंटे मिलेंगी। एनआईए के सीईओ क्रिस्टोफ़ श्नेलमैन ने कहा- जैसे-जैसे एयरपोर्ट की ओपनिंग के पास आ रहे है। वैसे-वैसे यहां आने वाले मुसाफिरों को यहां तक आने और वापस गंतव्य तक पहुंचने में रैपिडो के साथ साझेदारी एक महत्वपूर्ण कदम होगा। ऐप-आधारित सेवाओं के अलावा, एनआईए सार्वजनिक परिवहन प्रदाताओं के साथ मिलकर जमीनी कनेक्टिविटी बढ़ाने पर काम कर रहा है।

ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ ग्रेटर नोएडा में हड़ताल

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने ओवरलोडिंग के मुद्दे पर 250 से 300 ट्रकों के साथ सिरसा पार्किंग में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। एसोसिएशन का आरोप है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों के बावजूद परिवहन विभाग के अधिकारी ओवरलोडिंग रोकने में विफल रहे हैं। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में परिवहन विभाग पर ओवरलोडिंग कराने का सीधा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हरियाणा से आने वाले हजारों ओवरलोड ट्रक पूर्वी पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर चल रहे हैं। इससे हाईवे जगह-जगह से दब गया है और उसकी स्थिति खराब हो रही है। एसोसिएशन की प्रमुख मांगों में टोल नाकों पर ओवरलोड गाड़ियों की जांच के लिए वेइंग मशीन लगाना शामिल है। साथ ही बिना नंबर प्लेट या नंबर छुपाकर चलने वाले ट्रकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

नोएडा प्राधिकरण बनाएगा पहली ऑटोमैटिड पज़ल पार्किंग

100 वाहनों की होगी पार्किंग, 23 करोड़ होंगे खर्च, प्रत्येक फ्लोर पर 25 वाहन खड़े होंगे

नोएडा। नोएडा के बाजारों में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है। प्राधिकरण इस समस्या का हल निकालने जा रहा है। इसके लिए यहां बाजार में ऑटोमेटिड पज़ल पार्किंग बनाई जाएगी। पहले फेज में नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-62 में पज़ल पार्किंग बनाने जा रहा है। इसे 23 करोड़ में बनाया जाएगा। ये पार्किंग चार फ्लोर और 100 वाहनों की क्षमता की होगी। इसके अलावा दो अन्य स्थानों पर भी पज़ल पार्किंग बनाने पर विचार किया गया है। पार्किंग का निर्माण प्राधिकरण खुद करेगा। जबकि इसके संचालन के लिए कंपनी का चयन किया जाएगा।

ये पार्किंग हाइड्रोलिक पार्किंग से अलग होती है। ऑटोमेटिड पज़ल पार्किंग एक पज़ल गेम की तरह है। जिसमें जितने पार्किंग स्लॉट होते है उतने ही स्टैंड होते है। जो ऊपर, नीचे, दाय और बाय मूवेबल होते है। इसे ऐसे समझे एक कार पार्किंग के लिए आती है। उसे ग्राउंड के स्टैंड पर खड़ा किया। उसे चौथे फ्लोर पर कार खड़ी करनी

है। ऐसे में पूरा स्टैंड सेंसर के जरिए कार समेत ऊपर उठेगा और चौथे फ्लोर पर जाकर सेट हो जाएगा। नीचे खाली स्पेस पर दूसरा स्टैंड ऑटोमैटिक शिफ्ट हो जाएगा। इस पूरे काम में करीब 3 से 6 मिनट का समय लगता है। यानी मल्टीलेवल और हाइड्रोलिक या अन्य स्थानों पर पार्किंग करने पर गाड़ी निकालने और खड़ा करने में आपको 15 से 20 मिनट का समय लगता है। लेकिन इसमें कार मजह 3 से 6 मिनट पर लग जाती है और बाहर भी आ जाती है। नोएडा में चार फ्लोर ऑटोमेटिड पज़ल पार्किंग बनाने पर विचार किया जा रहा है। इसके प्रत्येक फ्लोर पर 25 कार आसानी से पार्क हो सकेंगे।

पार्किंग निर्माण में नहीं लेता स्पेस

इस तरह की पार्किंग के निर्माण में ज्यादा स्पेस की जरूरत नहीं होती। बहुत कम स्पेस में चार फ्लोर तक की बन सकती है। ये पूरी पार्किंग सेंसर बेस्ड होती है। इसलिए चोरी से लेकर टूट फूट का खतरा नहीं होता। आपरेशन के लिए ज्यादा मैन पावर की आवश्यकता नहीं है। हालांकि संचालन के लिए उसी कंपनी को प्राथमिकता दी जाएगी जो पहले इसका संचालन कर चुकी है।

दरअसल ये पार्किंग ऑटोमेटिड है। इसमें गाडिया ग्राउंड से एक फ्लोर से दूसरे फ्लोर में शिफ्ट होती है। उसी तरह नीचे आती है। ये पूरा काम मशीनों के जरिए होता है। इसलिए इसमें सेंसर लगाए गए है। यदि कोई बच्चा या जानवर गलती से पार्किंग के अंदर आ जाए तो ऑटोमैटिक जहां कार है वहीं स्थिर हो जाएगी। वो नीचे नहीं आएगी ताकि इसके नीचे कोई दब न जाए। इसकी रेंज तय की जा सकती है।

ग्रेटर नोएडा में यूनिवर्सिटी के तीन छात्रों पर हमला

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित नोएडा इंटरनैशनल यूनिवर्सिटी के गेट पर तीन छात्रों पर हमला किया गया। पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला किया। घायल छात्रों का पास के अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित यश बैसोया ने पुलिस को बताया कि वह एनआईयू में रेडियोलोजी का कोर्स कर रहे हैं। 2 अगस्त को उनके सहपाठी निक्की के पिता हेमू ने फोन करके यूनिवर्सिटी के गेट पर बुलाया। वहां पहले से ही तीन गाड़ियों में करीब 10 लोग घात लगाए बैठे थे। आरोपियों ने यश पर डंडों से हमला कर दिया। यश को बचाने आए उनके दो दोस्त गौरव और विकास पर भी हमला किया गया। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य में सुधार होने पर यश ने कोतवाली में हेमू शर्मा, निक्की, लव, अंकित, हसीन खान, साहिल धनखड़, शौर्य शर्मा और आदित्य गिल समेत 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश है, जिसके चलते यह घटना हुई।

20 करोड़ रुपये का फर्जी लोन कराने वाला गैंग पकड़ा

गाजियाबाद से लेकर दिल्ली-गुरुग्राम तक बैंकों से डिटेल लेकर लगाया चूना, मोटी संपत्ति खरीदी

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस और एसटीएफ नोएडा यूनिट द्वारा 20 करोड़ से अधिक का फर्जी लोन कराने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। जहां दो युवकों को अरेस्ट किया है। इस गैंग के तार वेस्ट यूपी, हरियाणा, दिल्ली तक फैले हैं।

जिनके पास से एसटीएफ और पुलिस ने 5 लाख 10 हजार रुपये, अलग-अलग कंपनियों के 63 आईडी कार्ड, 8 मोबाइल फोन, 70 चेकबुक और डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी गौरव दुआ हरियाणा के फरीदाबाद का रहने वाला है, जबकि दूसरा गिरफ्तार आरोपी देवेश बैसोया ईस्ट ऑफ कैलाश लाजपत नगर दिल्ली का रहने वाला है।

कौशांबी थाने में दर्ज किया केस

एसटीएफ के एडिशनल एसपी राजकुमार मिश्रा ने बताया- इस गैंग ने बजाज फाइनेंस लिमिटेड के माध्यम से 12 बैंकों से धोखाधड़ी कर करीब 20 करोड़ रुपये से अधिक का लोन कराया गया है। इसमें बैंकों के कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध रही है।

गाजियाबाद के कौशांबी थाने में केस दर्ज किया गया है। गैंग में गौरव दुआ

शातिर तरह का है, जो दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम की पढ़ाई कर चुका है। पूर्व में एक कंपनी में नौकरी की, फिर बैंक में काम किया। जहां से इने अपना गैंग बनाया।

डेटा एनालिसिस में काम किया

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया- गिरफ्तार गौरव दुआ ने पूछताछ पर बताया कि मेरी उम्र लगभग 41 साल है। वर्ष 2006 में दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम किया है। 2005 से 2020 तक अलग-अलग कम्पनी जैसे एयरटेल में डेटा ऑपरेटर तथा एसबीआई कार्ड में डेटा एनालिसिस में काम किया है।

गौरव दुआ साल 2020 में अपना होम लोन लेने के प्रयास में दिल्ली निवासी अविनाश रंजन कुमार के संपर्क में आया, जहां अलग-अलग बैकों के लिए डीएसएल का काम करता था। बाद में अविनाश रंजन कर्मचारियों के फर्जी प्रोफाइल बनाकर बैकों से लोन लेकर धोखाधड़ी से हड़पने का काम करने लगा।

कमीशन देकर अर्जित की संपत्ति

अविनाश रंजन से बैंकों से लोन लेने का काम सीखकर गौरव दुआ भी साथ काम करने लगा। पकड़े गए गौरव दुआ ने बताया कि लोगों को पैसे का लालच देकर उनके कूटरचित दस्तावेज एवं उनकी आईडी ले लेते हैं और उसके बाद जो कम्पनी उनके संपर्क में रहती है, उनको कमीशन देकर कम्पनी के पैरोल पर दिखाकर उनकी कुछ महीने की सैलरी उनको अकाउंट में डालकर निकाल लेते हैं।

जिससे उनका सिविल स्कोर अच्छा बन जाता है, फिर इन लोगों की प्रोफाइल पर भारी भरकम लोन की राशि अप्रूव करा लेते हैं, जिसके लिए गौरव को 40 प्रतिशत कमीशन मिलता है।

यही गौरव दुआ व इसके गैंग के द्वारा 4 चार सालों में नेक्सेज प्रा.लि कम्पनी, इनोवसोर्स, कैलीबर बिजनेस सोल्यूशन प्रालि, रैन्ड स्टड इण्डिया प्रा लि एवं गुप फोर फैसलिटी कम्पनी के पैरोल पर कई फर्जी कर्मचारी दिखाकर बैकों से करोड़ों रूपयो का लोन लेकर धोखाधड़ी की।

दिल्ली व हरियाणा के लोग भी गैंग में शामिल

पकड़े गए आरोपी गौरव दुआ की लाजपत नगर दिल्ली निवासी प्रदीप से बहुत पहले से जान पहचान थी। और इसी के माध्यम से गौरव दुआ की मुलाकात देवेश बैसोया से हुई थी और तभी से यह लोग एक गैंग बनाकर बैकों से लोन लेने का गैंग चला रहे हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष ने शहर के कई वार्डों में किया निरीक्षण

जलभराव व सफाई को लेकर दिए सख्त निर्देश

पीलीभीत। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने बुधवार को नगर के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर नालों की स्थिति और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जलभराव की समस्या कतई न हो और सफाई व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखी जाए।

अध्यक्ष डॉ. अग्रवाल ने सबसे पहले हाथी खाना वार्ड नं. 27 का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने नाले की स्थिति को देखा और सफाई में सुधार के निर्देश दिए। इसके बाद डालचंद वार्ड नं. 3, बेनी चौधरी वार्ड नं. 18 और देशनगर वार्ड नं. 4 में भी नालों का निरीक्षण करते हुए संबंधित कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।डॉ. अग्रवाल ने कहा कि लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नगर के नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि अगर किसी भी स्थान पर जलभराव या गंदगी पाई गई तो संबंधित कर्मी के खिलाफ कार्रवाई तय होगी। उन्होंने अपने सामने ही कर्मचारियों से नालों की सफाई करवाई और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।नगरपालिका अध्यक्ष ने कहा कि उनका उद्देश्य है कि शहर की जनता को जलभराव, गंदगी और बदबू से निजात मिले। इसके लिए वह स्वयं क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने भी पालिका अध्यक्ष के दौरे और सक्रियता की सराहना करते हुए समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर उन्होंने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

जलभराव से जूझ रहा सड़ा नाला और बिलगवां रोड, जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

पीलीभीत। बीते दिनों हुई अत्यधिक बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई है। इसी को लेकर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बुधवार को माधौटांडा रोड स्थित सड़ा नाला, बिलगवां रोड और ग्राम सचिवालय बिलगवां का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सड़ा नाले पर जलभराव के चलते आवागमन पूरी तरह ठप मिला। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण को तत्काल आवागमन बहाल कराने के निर्देश दिए और निर्माणाधीन पुलिया को शीघ्र पूर्ण करने के लिए कहा। बिलगवां रोड की भी स्थिति गंभीर पाई गई। सड़क पर जलभराव और गड्ढों के कारण आवागमन में परेशानी हो रही है। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण और खंड विकास अधिकारी मरौरी की तीन सदस्यीय टीम गठित करते हुए जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्राम सचिवालय बिलगवां में ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य कृषि उपकरण अवैध रूप से खड़े मिले।

कानपुर में गर्लफ्रेंड से मिलने गए युवक की हत्या

कानपुर। कानपुर में 3 दिन से लापता युवक की लाश उसके घर से सिर्फ 50 मीटर दूर मिली। कातिलों ने लाश को मस्जिद के बगल के खाली प्लॉट में ईंटों से दबा दिया था। बुधवार सुबह प्लॉट से बदबू आने पर लोगों ने नगर निगम से सफाई कर्मचारी बुलवाए। सफाई के दौरान प्लॉट में लाश होने की बात सामने आई।

इसके बाद मोहल्लेवालों की भीड़ लग गई। पता चला कि बॉडी इस प्लॉट के करीब ही रहने वाले रज्जन गौतम के बेटे सुमित की है।

पुलिस को सुमित के लव अफेयर के बारे में पता चला है। परिवार ने बताया कि 3 अगस्त की रात सुमित को एक कॉल आई थी। वो उसकी प्रेमिका की बताई जा रही है।

सुमित मिलने गया था। लड़की सिर्फ 5 घर छोड़कर रहती है। आरोप है, लड़की के परिवारवालों ने ही सुमित को मार डाला। इसके बाद घर के पास के प्लॉट में लाश दबा दी। अब पुलिस इस मामले को ऑनर किलिंग मानते हुए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। यह मामला पुराना मसवानपुर का है।

5 घर दूर रहने वाली लड़की से लव अफेयर था

मसवानपुर में रज्जन गौतम गोविंदनगर की पान मसाला फैक्ट्री में काम करते हैं। परिवार में पत्नी सुनीता और 4 बच्चे खुशबू, सुमित (18), पायल और नैना हैं। उनके चचेरे भाई अनिकेत लाजपतनगर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि सुमित शादी पार्टी में वेटर का काम करता था।

शुभारंभ से पहले ही नेहरू पार्क में अव्यवस्था का बोलबाला, गिरी रेलिंग, जलभराव से डूबा पार्क

ठेका शुरू से ही विवादों में, जांच के घेरे में निर्माण कार्य, भ्रष्टाचार की आशंका गहराई

पीलीभीत। नगर के नेहरू पार्क का अभी विधिवत शुभारंभ भी नहीं हो पाया था कि पार्क की दुर्दशा ने नगर पालिका और ठेकेदार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में हुई बारिश के चलते नेहरू पार्क में भारी जलभराव हो गया, जिससे पूरा पार्क डूब गया। वहीं, पार्क की रेलिंग भी गिर गई है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

नगरवासियों में इसको लेकर भारी रोष है। उनका कहना है कि लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद पार्क की हालत ऐसी है, जैसे काम बस कागजों में ही हुआ हो।

सूत्रों के अनुसार, नेहरू पार्क निर्माण का ठेका शुरू से ही विवादों में रहा है। कार्य की गुणवत्ता को लेकर पहले दिन से सवाल उठते रहे हैं। कई बार निर्माण कार्य को लेकर आपत्तियाँ भी दर्ज की गईं थीं। इसके बावजूद निर्माण पूरा किया गया और अब वही निर्माण पहली ही बारिश में धराशायी होता दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि नेहरू पार्क निर्माण की जांच फिलहाल प्रचलित है।

नगर पालिका प्रशासन ने भी कुछ बिंदुओं पर जांच बैठाई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

वहीं अब पार्क में गिरी रेलिंग और जलभराव जैसी घटनाओं ने जांच प्रक्रिया और जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली को कठघरे में ला खड़ा किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जनता के पैसों से यदि इस प्रकार की खानापूरी की जाएगी, तो शहर की सूरत कभी नहीं बदलेगी। नगर के वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि नेहरू पार्क निर्माण में हुई अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदारों तथा अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। नेहरू पार्क की ये दुर्दशा इस बात की गवाही देती है कि नगर पालिका प्रशासन की ओर से निर्माण कार्यों की सही निगरानी नहीं की गई।

केवल औपचारिकताएं पूरी कर निर्माण कार्यों को मंजूरी देना कहीं न कहीं प्रशासन की लापरवाही या मिलीभगत को दर्शाता है।

शार्ट न्यूज

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद पर स्वागत के दौरान, हमला

महेश सिंह विशाल इंडिया

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य पर दो युवकों ने स्वागत के दौरान हमला कर दिया। हालांकि, इस दौरान मौजूद उनके समर्थकों ने हमलावरों को पकड़ लिया और मारपीट की। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य का शहर के साथस मोटल चौराहा पर स्वागत हो रहा था। इस दौरान दो युवकों ने उनके साथ मारपीट की। इसके बाद समर्थकों ने दोनों युवकों को पीटा। पुलिस ने पिटाई करने वाले दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। सीओ सदर अमित सिंह ने कहा पकड़े गए युवकों की अभी पहचान नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज होगा। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वामी प्रसाद ने कहा कि ये करणी सेना के नाम पर कीड़े-मकोड़े हैं। ये लोग खुलेआम कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ये बताता है कि योगी सरकार में गुंडे-माफियाओं के हौसले कितने बढ़े हुए हैं। वहीं, पुलिस की गिरफ्त में आए हमलावर ने कहा कि स्वामी लगातार सनातन का विरोध करते हैं इसलिए उन पर हमला किया।

यातायात नियमों के उल्लंघन में 119 वाहनों का चालान

ललितपुर। यातायात पुलिस ने सुरक्षित यातायात और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख चौराहों/तिराहों पर बिना नंबर प्लेट/फॉल्टी नंबर प्लेट, बिना हेलमेट, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, ड्रिंक , ड्राइव के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी द्वारा आगमी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षित यात्रा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के क्रम में 06/08/25 को यातायात पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों/ तिराहों पर ड्रिंक × ड्राइव,बिना हेलमेट, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, क्षमता से अधिक सावरी, स्टंटिंग आदि के प्रति आम जनमानस को जागरूक करते हुए प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही की गई।

पुलिस ने अभियान चला कर पांच वारंटियों को पकड़ा

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने विभिन्न मामलों में आरोपित पांच वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक एंव क्षेत्राधिकारी महोदय सदर के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के आदेशानुसार थाना कोतवाली ललितपुर मे वाँछित /वारन्टी अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के अभियान मे थाना कोतवाली ललितपुर पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त/वारण्टी भागीरथ पुत्र चिपले नि0 बुढवार थाना कोतवाली उम्र करीब 39 वर्ष सम्बन्धित केस नं0 2916/14 धारा 323/504/506 भादवि अभियुक्त राजकुमार पुत्र प्रभूदयाल अहिरवार उम्र करीब 28 वर्ष नि0 बी केबिन के पीछे थाना कोतवाली सम्बन्धित केस नं0 34/09 धारा 294 भादवि सुमन पत्नी संतोष लोधी उम्र करीब 34 वर्ष नि0 जुगपुरा थाना कोतवाली मनोज खंगार पुत्र मोती लाल खंगार उम्र करीब 46 वर्ष नि0 बरखिरिया थाना बार हाल नि0 गांधीनगर थाना कोतवाली ललितपुर सम्बन्धित केस नं0 5733/2012 धारा 18/20 एनडीपीएस एक्ट धर्मपाल निरंजन पुत्र सुखदीन उम्र करीब 38 वर्ष नि0 ग्राम पिपरिया पाली हाल नि0 बसुन्धरा कालौनी थाना कोतवाली ललितपुर सम्बन्धित मु0नं0 842/2025 धारा 138 एनआई एक्ट विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट ललितपुर को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत, सरकार ने 4 लाख की सहायता राशि की स्वीकृति

नवदिया दैहला गांव में खेत पर काम कर रही थी महिला

पीलीभीत। तहसील सदर के ग्राम नवदिया दैहला में 3 अगस्त को खेत पर काम कर रही एक महिला की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, चमेली देवी पत्नी मिही लाल अपने खेत में धान की निराई कर रही थीं, तभी दोपहर करीब 3: 30 बजे आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की गई। मृतका का पोस्टमार्टम कराया गया। तहसीलदार और उपजिलाधिकारी द्वारा घटना की पुष्टि होते ही राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत मृतका के परिजनों को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू की गई।मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में पीड़ित परिवार को 24 घंटे के भीतर राहत पोर्टल पर फीडिंग पूर्ण कर ऑनलाइन भुगतान की कार्रवाई की गई। चार लाख रुपये की धनराशि सीधे मृतका के परिजनों के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दी गई।

डीआईजी ने रेंज के जनपदों के अपर पुलिस अधीक्षकों, पुलिस पेंशनर्स के अध्यक्षो के साथ की समीक्षा बैठक

पुलिस पेंशनर्स की समस्याओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें : डीआईजी

ललितपुर। झांसी पुलिस उपमहानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र झांसी केशव कुमार चौधरी द्वारा परिक्षेत्र के अपर पुलिस अधीक्षकों व पुलिस पेंशनर अध्यक्षों के साथ शिविर कार्यालय पर बैठक कर पुलिस पेंशनर्स व उनके परिवार की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गयी। परिक्षेत्र के समस्त थानों द्वारा पुलिस पेंशनर्स की सूची अद्यावधिक की जायेगी तथा समय समय पर थानों पर पेंशनर्स की मीटिंग कर समस्याओं का समाधान किया जायेगा। पुलिस के सूचना तंत्र को मजबूत एवं बढोत्तरी हेतु पेंशनर्स के अनुभव का प्रयोग थाना पुलिस द्वारा अभिसूचना तंत्र के रूप में किया जायेगा। इससे अपराध नियंत्रण एवं विभिन्न निर्वाचन में लाभ मिलेगा।जनपदीय प्रशिक्षण के दौरान पुलिस विभाग के अनुभव प्राप्त करने हेतु समय समय पर पुलिस पेंशनर्स को आमंत्रित किया जायेगा ताकि वे अपने अनुभव एवं कार्य योजना को साझा करके प्रशिक्षुओं को लाभान्वित कर सके। साथ ही डीआईजी द्वारा झांसी परिक्षेत्र के जनपद प्रभारीयों को यह भी निर्देश दिए गए की अपनी अध्यक्षता में पुलिस पेंशनर्स की त्रैमासिक बैठक करेगें जिसमें पुलिस परिवार के पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की जायेगी। पेंशनर्स की समस्याओं यथा चिकित्सा प्रतिपूर्ति, समयबद्ध पेंशन भुगतान, विभिन्न विभागीय सरकारी योजनाओं का लाभ आदि समस्त देयकों का समयबद्ध एवं सुलभ भुगतान में होने वाली सभी प्रकार की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण किया जायेगा।

पुलिस ने तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

ललितपुर । नाराहट पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी पाली सुनील कुमार के नेतृत्व में चलाए जा रहे वांछित अभियुक्त/वारण्टीगणों की गिरफ्तारी हेतु अभियान के क्रंम में थाना नाराहट पुलिस द्वारा तीन अभियुक्त/वारण्टीगण बड्डा पुत्र उमराव निवासी ग्राम चादौरा थाना नाराहट सम्बन्धित केश नं0/SST NO 22/05 धारा 452/323/504/506 भादवि 02- पंचम सिह पुत्र अनन्तराम निरंजन निवासी ग्राम दैनपुरा थाना नाराहट जिला ललितपुर सम्बन्धित केश नं0/SST NO 1339/11 धारा 279/338/427 भादवि थाना नाराहट आफतिया पुत्र पिरूआ चमार निवासी ग्राम चांदौरा थाना नाराहट जिला ललितपुर सम्बन्धित केश नं0/SST NO धारा 452/328/504/506 भादवि थाना नाराहट ललितपुर को ग्राम दैनपुरा व चांदौरा थाना नाराहट ललितपुर से नियमानुसार गिरफ्तार कर सम्बन्धित माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है।

प्रशासनिक समन्वय से राहत व बचाव कार्यों को प्रभावी बनाने पर दिया गया जोर

नगर में जलनिकासी और सफाई पर भी विशेष निर्देश

पीलीभीत। जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए गांधी सभागार में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाढ़ से पहले, बाढ़ के दौरान और बाढ़ के बाद किए जाने वाले कार्यों व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में मौसम पूर्वानुमान, नदियों के जलस्तर, खतरे के बिंदु, विगत वर्ष की बाढ़ की स्थिति, राहत शिविरों की स्थापना, चैकियों की व्यवस्था, तथा संवेदनशील गांवों की जानकारी साझा की गई।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गोताखोरों और नाविकों की संख्या की जानकारी सुनिश्चित की जाए। बाढ़ खंड के अभियंताओं को कटान प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय रहने और विद्युत विभाग को क्षतिग्रस्त ट्रांसफॉर्मर, जर्जर तारों और खंभों की मरम्मत के निर्देश दिए गए। एसएसबी, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों की अग्रिम तैनाती सुनिश्चित करने की बात कही गई, ताकि आपात स्थिति में त्वरित राहत पहुंचाई जा सके।

सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रतिदिन छोड़े जाने वाले पानी की सूचना समय से उच्चाधिकारियों को दी जाए। तहसील और ब्लॉक स्तर पर समितियों का गठन कर बाढ़ प्रभावित मार्गों व वैकल्पिक मार्गों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए।पशुओं के लिए चारा, स्वच्छ पेयजल, खुरपका-मुंहपका जैसी बीमारियों की रोकथाम हेतु टीकाकरण व दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

सीएचसी/पीएचसी एवं मेडिकल टीमों को सक्रिय कर बाढ़ क्षेत्र में सेवाएं देने के निर्देश दिए गए। राहत शिविरों में बच्चों व गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण की व्यवस्था, आवश्यक दवाएं, एंबुलेंस सेवाएं और डॉक्टरों की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। सर्पदंश की आशंका को देखते हुए सभी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में एंटीवेनम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।बैठक में जिलाधिकारी ने तहसीलवार बाढ़ चैकियों और शरणालयों की स्थिति की जानकारी दी। सभी विभागों को बाढ़ नियंत्रण कार्यों में तत्परता से भागीदारी के निर्देश दिए गए।

समीक्षा बैठक के बाद नगरपालिका अध्यक्ष व सभासदों के साथ नगर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर भी बैठक हुई। बैठक में नगर की सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, नालों की सफाई और निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए गए कि नालों की पहचान कर जलनिकासी के लिए तत्काल कार्रवाई करें ताकि बरसात में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था चुस्त रखने, कहीं भी गंदगी न मिलने और नालों की समयबद्ध सफाई कराने के निर्देश दिए गए।सभा में उपस्थित सभासदों की समस्याएं सुनी गईं और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। निर्माण कार्यों के दौरान सभासदों की उपस्थिति अनिवार्य की गई, साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने की बात कही गई।नगर क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने, विकास कार्यों के लिए वार्डवार प्रस्ताव तैयार कर बोर्ड बैठक में प्रस्तुत करने और सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक के समापन पर जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि दिए गए सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा और बाढ़ से जुड़ी किसी भी चुनौती से निपटने के लिए प्रशासन पूर्णतः तैयार है।

मंत्री की फटकार के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग, दियोरिया सीएचसी पर तैनात हुआ एमबीबीएस डॉक्टर

तीन माह से अटकी थी तैनाती, अब डॉक्टर तपस त्रिपाठी को सौंपा गया चार्ज

पीलीभीत। दियोरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की दुर्दशा पर अब जाकर विभाग की नींद टूटी है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की फटकार के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने यहां एक एमबीबीएस डॉक्टर की तैनाती की है। डॉ. तपस कुमार त्रिपाठी को दियोरिया सीएचसी का चार्ज सौंपा गया है। इससे क्षेत्रीय जनता में राहत की भावना है और लोगों ने मंत्री का आभार जताया है।

उल्लेखनीय है कि 25 अप्रैल 2025 को केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के दौरे के दौरान ग्राम खरदाई निवासी प्रशांत मिश्रा ने दियोरिया सीएचसी में इमरजेंसी सेवा शुरू करने और डॉक्टरों की तैनाती की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा था। मंत्री ने तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए थे। इसके बाद 1 मई को मंत्री कार्यालय से औपचारिक पत्र भी भेजा गया, लेकिन यह निर्देश तीन महीनों तक फाइलों में ही दबा रह गया।

इस बीच स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति जस की तस बनी रही। एक भी एमबीबीएस डॉक्टर की तैनाती नहीं होने से ओपीडी केवल फार्मासिस्ट और हेल्थ वर्करों के भरोसे चल रही थी। गंभीर मरीजों को मजबूरी में जिला अस्पताल रेफर करना पड़ता था। करोड़ों की लागत से तैयार भवन व्यर्थ पड़ा था।अब जब मामला अखबारों की सुर्खियों में आया और जनदबाव बढ़ा, तो सीएमओ आलोक कुमार शर्मा ने तत्काल बिलसंडा में तैनात डॉक्टर तपस कुमार त्रिपाठी को दियोरिया सीएचसी पर भेज दिया है। उन्होंने बुधवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इससे इलाके के सैकड़ों गांवों को स्वास्थ्य सेवाओं में राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

पुलिया निर्माण अधूरा, ग्रामीण 10 किलोमीटर लगाकर रहे हैं अतिरिक्त चक्कर, विधायक से लगाई गुहार

निर्माण के दो माह बाद भी नहीं डाली गई एप्रोच रोड पर मिट्टी, ठेकेदार मौके से नदारद

पीलीभीत। बरसात में बही पुलिया का निर्माण तो हो गया, लेकिन दो माह बीतने के बावजूद अब तक उसके दोनों ओर मिट्टी नहीं डाली गई। इससे न केवल आवागमन पूरी तरह ठप है, बल्कि वर्रामऊ व आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को बरखेड़ा ब्लॉक मुख्यालय पहुंचने के लिए 10 किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। ग्रामीणों में इसको लेकर गहरा आक्रोश है। बार-बार शिकायतों के बावजूद विभाग और ठेकेदार का रवैया उदासीन बना हुआ है। पिछले साल जुलाई में पानी के तेज बहाव में वर्रामऊ गांव के समीप स्थित पुलिया बह गई थी। तब विभाग ने ग्रामीणों की मांग पर वैकल्पिक रास्ता मिट्टी डालकर तैयार कराया था, जो इस साल हुई तेज बारिश में फिर से बह गया। इसके बाद विभाग ने ठेकेदार को नई पुलिया निर्माण का निर्देश दिया। ठेकेदार ने सड़क से लगभग पांच फीट ऊंची पुलिया तो बना दी, लेकिन उसके दोनों तरफ एप्रोच सड़क की मिट्टी नहीं डलवाई और काम अधूरा छोड़कर फरार हो गया। इस अधूरे निर्माण की वजह से आसपास की लगभग 50 हजार की आबादी प्रभावित है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया की ऊंचाई अधिक है, ऐसे में मिट्टी डाले बिना इस पर चढ़ना-उतरना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। कई बार शिकायत के बावजूद न तो विभाग हरकत में आया और न ही ठेकेदार ने सुध ली। अब ग्रामीणों ने विधायक स्वामी प्रवक्तानंद महाराज से मिलकर हस्तक्षेप की मांग की है ताकि पुलिया से जुड़ी एप्रोच सड़क पर जल्द से जल्द मिट्टी डलवाई जा सके और आमजन को राहत मिले।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला खेलों के लिए नहीं मिलेगा वीजा, ट्रंप का बड़ा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार रूप से अमेरिकी वीजा को लेकर नए और सख्त कानून लाने की प्रक्रिया तेज कर चुके है। जहां अब वीजा ओवरस्टे के बाद ट्रंप प्रशासन ने खेल वीजा को लेकर भी एक नया नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत बताया गया है अब ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिलाओं के खेलों में हिस्सा लेने के लिए वीजा नहीं मिलेगा। प्रशासन के अनुसार इस नियम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि महिलाओं के खेलों में केवल महिला खिलाड़ी ही भाग लें। इस नए नियम को अमेरिकी की नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईसी) ने जारी किया है।

अमेरिका में वीजा ओवरस्टे रोकने की तैयारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक नई योजना शुरू कर रहा है, जिसके तहत कुछ विदेशी नागरिकों को अमेरिका आने से पहले 15,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 12.5 लाख रुपये) तक का जमानती बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। यह योजना उन लोगों पर लागू होगी जो टूरिस्ट (बी-2) या बिजनेस (बी-1) वीजा पर अमेरिका आते हैं। यह नियम उन देशों के नागरिकों पर लागू हो सकता है। जहां से आने वाले लोगों के वीजा ओवरस्टे (यानी तय समय से ज्यादा रुकना) के मामले ज्यादा होते हैं। जहां नागरिकता आसानी से दी जाती है, जैसे कि बिना वहां रहने की शर्त के निवेश द्वारा नागरिकता के जरिए होती है।

पाकिस्तान के पीओआर कार्ड रद्द करने से बढ़ा अफगान शरणार्थियों का संकट

काबुल , एजेंसी। पाकिस्तान में रह रहे हजारो अफगान नागरिकों के लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को दिए पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड रद्द कर दिए हैं, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है और जबरन पाकिस्तान से बाहर निकाला जा रहा है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा अफगान शरणार्थियों की गिरफ्तारी और निर्वासन ने प्रवासियों के बीच चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्थिति को संभालने के लिए अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सरकारों के बीच बातचीत की मांग तेज हो गई है।

अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने मंगलवार को पाकिस्तान में एक अफगान प्रवासी शबाना के हवाले से कहा, उम्मीद थी कि पीओआर कार्ड रखने वाले अफगान प्रवासियों को कम से कम छह महीने की मोहलत दी जाएगी, लेकिन दुर्भाग्य से, पाकिस्तान के एकतरफा फैसले के कारण अफगान प्रवासियों पर लगातार कार्रवाई हो रही है।

एक अन्य अफगान प्रवासी ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार ने अपना पुराना फैसला बदल दिया है और अब अफ़गान प्रवासियों की वापसी के लिए एक योजना बनाकर उसे लागू कर रही है।

इस्लामाबाद स्थित अफगानिस्तान दूतावास ने घोषणा की है कि पिछले तीन दिनों में रावलपिंडी और इस्लामाबाद में कम से कम 800 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 380 लोगों को वैध शरणार्थी दस्तावेज होने के बावजूद जबरन निर्वासित कर दिया गया। दूतावास ने कहा कि यह कदम एकतरफा उठाया गया, जिसमें अफगान सरकार, संयुक्त राष्ट्र या यूएनएचसीआर का कोई समन्वय नहीं था।

इस्लामाबाद स्थित अफगान दूतावास की प्रवासन मामलों की उर्सुला हक्कयार ने कहा, हमारे कार्यालय से मिली रिपोर्टों के आधार पर, पाकिस्तानी सेना ने 800 अफगान प्रवासियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 380 के पास वैध कार्ड थे, लेकिन फिर भी उन्हें निर्वासित कर दिया गया।

प्रवासी अधिकार कार्यकर्ता मोहम्मद खान मोहम्मदजई ने कहा, ऐसी परिस्थितियों में, प्रवासियों, खासकर जिनके पास कानूनी दस्तावेज हैं, के अधिकारों की रक्षा करना वर्तमान अफगान सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, दोनों की जिम्मेदारी है।

इससे पहले, अफगानिस्तान के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय के एक उप मंत्री ने जोर देकर कहा था कि पड़ोसी देशों से अफगान प्रवासियों का जबरन निर्वासन अंतरराष्ट्रीय और इस्लामी कानून, दोनों का उल्लंघन है। उन्होंने मेजबान देशों से प्रवासियों के अधिकारों के सम्मान का आग्रह किया था।

31 जुलाई को जारी संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त की रिपोर्ट में कहा गया कि सितंबर 2023 से अब तक लगभग 12 लाख अफगान पाकिस्तान से लौटे हैं। रिपोर्ट में, यूएनएचसीआर ने उल्लेख किया कि लौटने वाले कई अफगानों को गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

एजेंसी ने कहा कि अकेले 2025 में 3,15,000 से ज्यादा अफगान अफगानिस्तान वापस आए, जिनमें 51,000 ऐसे थे जिन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों ने जबरन निर्वासित कर दिया था।

ऑस्ट्रेलिया में चाकू से जानलेवा हमला करने के बाद किशोरी गिरफ्तार

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक किशोरी ने अन्य किशोरी पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने उसे घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सिडनी से 110 किलोमीटर उत्तर में न्यूकैसल शहर के उपनगर एजवर्थ में सोमवार रात लगभग 10:20 बजे चाकू से हमले की सूचना मिलने पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और एक किशोरी को चोटिल पाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने से पहले एम्बुलेंस पैरामेडिक्स द्वारा उपचार दिया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई। एक दूसरी किशोरी, जिसके बारे में पुलिस ने बताया कि वह पीड़िता को जानती थी, को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पीड़िता 13 साल की थी और गिरफ्तार की गई लड़की 14 साल की है। मंगलवार सुबह तक, पुलिस ने कोई आरोप नहीं लगाया था। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने एक बयान में कहा कि अपराध स्थल का पता लगा लिया गया है, जिसकी विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा फोरेंसिक जांच की जाएगी, और पुलिस अधिकारियों ने लड़की की मौत की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। ये घटना सिडनी के पश्चिमी उपनगर में एक व्यक्ति द्वारा महिला की हत्या करने के एक दिन बाद सामने आई है। हमलावर ने महिला पर चाकू से ही वार किया था। बयान में कहा गया कि रविवार शाम 5 बजे के कुछ ही देर बाद, मध्य सिडनी से 28 किलोमीटर पश्चिम में माउंट प्रिचर्ड स्थित एक अस्पताल में चाकू के घाव के साथ एक महिला के पाए जाने की सूचना पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था। एम्बुलेंस पैरामेडिक्स पहुंचे और 62 वर्षीय महिला का इलाज किया, लेकिन उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

यूके की पहली महिला एमआई5 प्रमुख स्टेला का निधन, 90 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई5 की पहली महिला प्रमुख और बाद में एक सफल थ्रिलर लेखिका बनी स्टेला रिमिंगटन का सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को निधन हो गया। उनके परिवार ने बताया कि स्टेला 90 वर्ष की थीं। स्टेला रिमिंगटन ने एमआई5 की पहली महिला प्रमुख बनकर इतिहास रचा। कहा जाता है कि फिल्म अभिनेत्री जूडी डेंच, जिन्होंने सात जेम्स बॉन्ड फिल्मों में एमआई6 की प्रमुख एम का किरदार निभाया, स्टेला की इसी भूमिका से प्रेरित थीं। स्टेला के परिवार ने एक बयान में बताया कि रिमिंगटन ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने परिवार और प्यारे कुत्तों के साथ शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। वे आखिरी वक्त तक उस जीवन से जुड़ी रहीं, जिसे वह बहुत पसंद करती थीं। एमआई5 के वर्तमान महानिदेशक केन मैक्कलम ने कहा कि स्टेला रिमिंगटन ने एक महिला के रूप में दुनिया की किसी भी खुफिया एजेंसी की कमान संभालकर पुरानी बंदिशों को तोड़ा और नेतृत्व में विविधता का एक बेहतरीन उदाकरण पेश किया।

स्टेला का जन्म 1935 में लंदन में हुआ था। उन्होंने एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी से अंग्रेजी की पढ़ाई की। बाद में एक अभिलेखपाल के रूप में काम किया। 1960 के दशक में, जब वह अपने राजनयिक पति के साथ भारत में रह रही थीं, तब उन्हें ब्रिटेन की घरेलू सुरक्षा सेवा एमआई5 ने अपने नई दिल्ली स्थित कार्यालय में अंशकालिक क्लर्क और टाइपिस्ट के रूप में नियुक्त किया था। 1969 में, जब वह लंदन लौटीं, तो वह स्र्ह्व5 में पूर्णकालिक रूप से शामिल हो गईं और धीरे-धीरे ऊंचे पदों तक पहुंचीं। यह उस समय असामान्य था, क्योंकि खुफिया एजेंसियों में ऊंचे पद अधिकतर पुरुषों को दिए जाते थे। स्टेला ने एमआई5 की सभी प्रमुख शाखाओं में काम किया, जैसे प्रति-जासूसी, आतंकवाद-रोधी और प्रति-विध्वंस आदि। शीत युद्ध के समय एमआई5 ने सोवियत जासूसों पर निगरानी रखी, उत्तरी आयरलैंड के उग्रवादी समूहों में घुसपैठ की और वामपंथी नेताओं व यूनियन प्रमुखों की जासूसी की। 2001 में स्टेला ने माना कि उस दौर में एमआई5 शायद कुछ ज्यादा ही जोश में था।

रूस के लिए लड़ रहे चीन-पाकिस्तान से आए भाड़े के सैनिक: जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उनके देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में यूक्रेनी सैनिकों को रूस की ओर से लड़ रहे विदेशी भाड़े के सैनिकों (मर्सिनरीज) का सामना करना पड़ रहा है। इन सैनिकों में चीन, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से आए लोग शामिल हैं। जेलेंस्की ने इस मामले में कड़ा जवाब देने की बात कही है।

जेलेंस्की ने यह बयान खार्किव क्षेत्र में एक फ्रंटलाइन क्षेत्र का दौरा करने के बाद दिया, जहां उन्होंने 57वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के सैनिकों और कमांडरों से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमने कमांडरों के साथ फ्रंटलाइन की स्थिति, ववचान्स्क की रक्षा और युद्ध के ताजा हालातों पर चर्चा की। इस क्षेत्र में हमारे सैनिकों ने बताया कि चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों से आए भाड़े के सैनिक युद्ध में भाग ले रहे हैं। हम इसका जवाब देंगे।

जेलेंस्की ने पहले भी रूस पर चीनी लड़ाकों को भर्ती करने का आरोप लगाया था, जिसे बीजिंग ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके अलावा, उत्तर कोरिया ने भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हजारों सैनिक भेजे हैं। रॉयटर्स ने ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान के दूतावासों से इस मामले पर टिप्पणी के लिए संपर्क किया, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। रूस ने भी जेलेंस्की के इन दावों पर तत्काल कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। यूक्रेनी सैन्य और खुफिया सूत्रों के अनुसार, विदेशी भाड़े के सैनिक रूस की प्राइवेट सैन्य कंपनियों जैसे वैगनर ग्रुप या रूसी रक्षा मंत्रालय से संबद्ध नई इकाइयों के तहत काम कर रहे हैं। ये समूह आर्थिक रूप से कमजोर या राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों, विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया से लड़ाकों की भर्ती करने के लिए जाने जाते हैं। यूक्रेनी अधिकारियों का दावा है कि युद्ध के मैदान से प्राप्त साक्ष्य, जैसे कि जब्त किए गए दस्तावेज विभिन्न देशों से आए विदेशी लड़ाकों की मौजूदगी की पुष्टि करते हैं।

ताइवान की सीमा में चीनी सैन्य विमानों ने फिर की घुसपैठ

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने अपने क्षेत्र के आसपास चीनी सेना पीएलए के विमानों, 5 पीएलएएन जहाजों और 1 आधिकारिक जहाज की 12 उड़ानें दर्ज कीं। एमएनडी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि 12 में से 8 उड़ानें मध्य रेखा को पार करके ताइवान के उत्तरी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। हमने स्थिति पर नजर रखी है और कार्रवाई की है। सोमवार को भी ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने अपने क्षेत्र के आसपास पीएलए विमानों, छह पीएलएएन जहाजों और एक आधिकारिक जहाज की 5 उड़ानें देखीं। रविवार को भी चीन ने ऐसा ही किया था और ताइवान के क्षेत्र में घुसपैठ कर उसकी संप्रभुता को चुनौती दी थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, मंगलवार तड़के तिब्बत में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार 3:25 बजे, 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के किसी तरह के जान माल के नुकसान की खबर नहीं हैं।

मध्य मेक्सिको में बरामद हुए गुप्त रूप से दफनाए गए 32 शव

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मध्य मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के अधिकारियों ने बताया कि इरापुआतो इलाके में एक सरकारी जमीन से 32 शव बरामद किए गए हैं। इन शवों को गुप्त तरीके से दफनाया गया था। बरामद किए गए शवों में से आधों की पहचान हो चुकी है। बाकी शवों की पहचान की कोशिश की जा रही है। जिस इलाके में कब्रें मिली हैं, वह इलाका लंबे समय से हिंसा की चपेट में है। गुआनाजुआतो राज्य अभियोजक कार्यालय ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया कि ये शव मेक्सिको सिटी से लगभग 320 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, इरापुआतो में ला कैलेरा समुदाय की संपत्ति पर गुप्त कब्रों में पाए गए। अभियोजकों ने बताया कि फोरेंसिक टीमें 30 जुलाई से घटनास्थल पर काम कर रही थीं। अधिकारी शेष शवों की पहचान करने में जुटे हैं।

गुआनाजुआतो राज्य में चल रही हिंसा

इरापुआतो में करीब दो महीने पहले एक पार्टी में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी। जिसमें 12 लोगों की मौत की हुई थी। उस घटना के बाद अब यहां शवों के मिलने को सामूहिक गोलीबारी की घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। गुआनाजुआतो राज्य में हाल के वर्षों में लगातार हिंसा देखी गई है।

नेतन्याहू-न्यायपालिका के बीच बढ़ा गतिरोध

इस्राइल ने अटॉर्नी जनरल को हटाने के लिए मतदान किया

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइली कैबिनेट ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को अटॉर्नी जनरल गली बहाराव-मियारा को बर्खास्त करने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। इससे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और न्यायपालिका के बीच लंबे समय से चल रहा गतिरोध और बढ़ गया है। आलोचक मानते हैं कि यह इस्राइल की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस्राइली सरकार के इस फैसले पर रोक लगा दी है। अदालत का कहना है कि जब तक वह यह तय नहीं कर लेती कि यह फैसला सही है या नहीं, तब तक इसे लागू नहीं किया जा सकता है।

पीएम और समर्थकों का आरोप-बेवजह सरकार के फैसलों को रोक रहीं गली: पीएम नेतन्याहू और उनके समर्थकों का आरोप है कि अटॉर्नी जनरल गली निर्वाचित सरकार के फैसलों को रोककर अपनी शक्तियों का अतिक्रमण कर रही हैं। उन्होंने इस्राइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख को बर्खास्त करने के एक सरकारी फैसले को रोका, जबकि यह एक गैर-राजनीतिक पद है। उन्होंने कहा कि हितों का टकराव है, क्योंकि पीएम नेतन्याहू और उनके कई पूर्व सहयोगी कई आपराधिक जांचों का सामना कर रहे हैं।

नेतन्याहू पर न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करने का आरोप: वहीं, आलोचक पीएम नेतन्याहू पर आरोप लगाते हैं कि वे न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करना चाहते हैं और देश की सत्ता को पूरी तरह अपनी गठबंधन सरकार के हाथ में रखना चाहते हैं, इस्राइल के इतिहास में सबसे राष्ट्रवादी और धार्मिक मानी जाती है। वहीं, नेतन्याहू ने इन आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि अदालतें और मीडिया उनके खिलाफ मिलीभगत करके उन्हें निशाना बना रहे हैं।

नेतन्याहू सरकार ने न्यायपालिका में बदलाव का किया था प्रयास: नेतन्याहू सरकार ने 2023 में न्यायपालिका में अमूल-चूल परिवर्तन करने का प्रयास किया था, जिसके चलते महीनों तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। कई लोगों का मानना है कि सरकार के इस कदम से देश की सुरक्षा कमजोर हो गई, और शायद इसी वजह से सात अक्तूबर 2023 को हमास का बड़ा हमला हो सका, जिससे गाजा में युद्ध शुरू हो गया।

नागरिक संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की आपात याचिका: गवर्नेंस फॉर क्वालिटी इन इस्राइल नामक एक नागरिक संगठन ने सरकार के इस फैसले को अवैध बताया है और सुप्रीम कोर्ट में आपातकालीन याचिका दायर की है। संगठन का कहना है कि 15,000 से ज़्यादा लोगों ने इस याचिका का समर्थन किया है। एक बयान में, संगठन ने सरकार पर आरोप लगाया है कि जब वह मौजूदा नियमों के तहत अटॉर्नी जनरल को कानूनी रूप से हटाने में विफल रही, तो उसने नियम ही बदल दिए। संगठन ने नेतन्याहू के चल रहे मुकदमे से जुड़े हितों के टकराव का भी हवाला दिया। समूह ने कहा, यह फैसला अटॉर्नी जनरल की भूमिका को एक राजनीतिक नियुक्ति में बदल देता है। जब तक इस गलत फैसले को पलटा नहीं जाता, तब तक कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।

धरती के नीचे छिपा है एक अनदेखा जीवन ! चीन और कनाडा के वैज्ञानिकों की चौंकाने वाली खोज

बीजिंग/ओटाया, एजेंसी। जहां एक ओर दुनिया मंगल ग्रह और अन्य ग्रहों पर जीवन की तलाश में अरबों डॉलर खर्च कर रही है, वहीं चीन और कनाडा के वैज्ञानिकों की एक अभूतपूर्व खोज ने पृथ्वी के अंदर छिपे जीवन की परतें खोल दी हैं। यह अध्ययन यह साबित करता है कि हमारी धरती की गहराईयों में–जहां न तो सूर्य की रोशनी पहुंची है, न ही जीवन के लिए पारंपरिक शर्तें मौजूद हैं– एक विशाल और सक्रिय जीवनमंडल मौजूद है।

चीनी विज्ञान अकादमी के गुआंगझोउ इंस्टीट्यूट ऑफ जियोकेमिस्ट्री के प्रोफेसर झू जियानक्सी और हे होंगपिंग ने कनाडा के अल्बर्टा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कर्ट कोनहॉसर के साथ मिलकर यह शोध किया। उनका निष्कर्ष है कि पृथ्वी की गहराइयों में मौजूद सूक्ष्मजीव – जिनमें प्रमुख रूप से प्रोकैरियोट्स होते हैं–सूरज की रोशनी की बजाय भूगर्भीय घटनाओं से मिलने वाली ऊर्जा पर निर्भर करते हैं।

इन जीवों की संख्या इतनी अधिक है कि वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि ये पृथ्वी के कुल जीवों की 95त्न तक आबादी का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। ये सभी एककोशिकीय जीव होते हैं, जिनमें झिल्ली-बद्ध कोशिकांगों की अनुपस्थिति के कारण इन्हें प्राचीन और आदिम जीवन रूप माना जाता है। कैसे जिंदा रहते हैं ये जीवन रूप?

शोधकर्ताओं ने पाया कि धरती के नीचे जब भूकंप आते हैं, तो चट्टानों में दरारें उत्पन्न होती हैं। जब इन दरारों से पानी गुजरता है, तो यह चट्टानों के साथ रासायनिक अभिक्रिया करता है, जिससे हाइड्रोजन गैस और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन जैसी ऊर्जा-युक्त यौगिक उत्पन्न होते हैं। इनसे इलेक्ट्रॉनों का प्रवाह शुरू होता है, जो सूक्ष्मजीवों की जैविक क्रियाओं को संचालित करता है।

शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में पृथ्वी के सामान्य सिलिकेट खनिज क्वार्ट्ज़ के साथ यह प्रक्रिया दोहराई। उन्होंने पाया कि जब क्वार्ट्ज़ पर तनाव पड़ता है और वह टूटता है, तब उसकी सतह जल के संपर्क में आकर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन यौगिकों का निर्माण करती है। यह प्रक्रिया भूमिगत जीवन के लिए ऊर्जा प्रदान करती है, बिलकुल किसी बैटरी की तरह।

यह सब संकेत करता है कि भूमिगत जीवन न केवल संभव है, बल्कि यह पृथ्वी के इतिहास में जीवन की उत्पत्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हो सकता है।

कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इतिहास नहीं बदल सकता जो होना है वो होगा, अमेरिकी धमकी पर रूस का बयान

मॉस्को, एजेंसी। रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया है। अब सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ की दर बढ़ाने की धमकी दी। अब इस पर रूस की सरकार का बयान भी आ गया है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने अमेरिका द्वारा रूस के सहयोगी देशों पर लगाए जा रहे टैरिफ और प्रतिबंधों की तीखी आलोचना की। रूसी विदेश मंत्रालय ने इसे नव-उपनिवेशवादी एजेंडा करार दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति के चलते आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। जब मारिया जाखारोवा से पूछा गया कि अमेरिका ने वैश्विक दक्षिण के रूस के सहयोगी देशों पर टैरिफ दर बढ़ा दी है तो अमेरिका की इस नीति को आप कैसे देखते हैं? इस पर मारिया जाखारोवा ने कहा कि दुर्भाग्य से प्रतिबंध आज के समय की हकीकत है, जिसका असर पूरी दुनिया के देशों पर पड़ा है। अमेरिका अपने घटते प्रभुत्व को स्वीकार नहीं कर पा रहा है और अब दुनिया में बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उभर रही है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका नव-उपनिवेशवाद एजेंडा चला रहा है। राजनीति से प्रेरित होकर उन देशों पर आर्थिक दबाव बना रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वतंत्र होकर फैसले ले रहे हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि यह कदम मुक्त व्यापार के उन सिद्धांतों का ही उल्लंघन है, जिसकी वकालत पश्चिमी देश ही करते थे। अब संरक्षणवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है और मनमाने तरीके से टैरिफ और प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। लैटिन अमेरिका में हमारे रणनीतिक साझेदार देश ब्राजील इस नीति का प्रमुख पीड़ित है। अमेरिका की यह कार्रवाई दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल की कोशिश है। इन चिंताओं के अलावा वैश्विक आर्थिक विकास के भी धीमा होने, आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने का भी खतरा है। रूस ने कहा कि हमारा विश्वास है कि कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इतिहास के प्राकृतिक घटनाक्रम को नहीं रोक सकता। हम हमारे सहयोगियों, समान विचारधारा वाले देशों और खासकर वैश्विक दक्षिण के अपने सहयोगी देशों का समर्थन करते हैं और इनसे ऊपर हम ब्रिक्स का समर्थन करते हैं। रूस ने ये भी कहा कि हम अपने सहयोगी देशों के साथ सहयोग को बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

शुभमन सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में शामिल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे। भारत की युवा टीम ने यह श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ की।

गिल ने श्रृंखला में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने श्रृंखला में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा। गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा। उन्होंने इस रोमांचक श्रृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए।'

आईसीसी ने कहा, 'उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।' आईसीसी ने कहा कि गिल ने नंबर चार पर 'सर्वकालिक महान' विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाया।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली। उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए।

आईसीसी ने कहा, 'मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया तथा 15.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें पहले टेस्ट में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं।' आईसीसी ने भारत के खिलाफ स्टोक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, 'उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए और 26.33 की औसत से 12

विकेट लिए। उन्होंने दबाव की परिस्थितियों में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया।'

संजू सैमसन छोड़ेंगे राजस्थान रॉयल्स का साथ? केकेआर/सीएसके में शामिल होने की सच्चाई आई सामने

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संजू सैमसन को लेकर कहा जा रहा था कि, वह अगले आईपीएल 2026 सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स का थामन थाम सकते हैं। हालांकि, अब कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, संजू इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में अपनी फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स का साथ नहीं छोड़ेंगे।

दरअसल, कहा जा रहा था कि, संजू सैमसन आईपीएल के नए सीजन के लिए सीएसके या केकेआर के साथ जा सकते हैं। लेकिन अब टाइम्स ऑफ इंडिया ने एक सूत्र के हवाले से कहा है कि, राजस्थान रॉयल्स ने फिलहाल सैमसन या अपने किसी भी अन्य खिलाड़ी को ट्रेड नहीं करने का फैसला किया है। सैमसन रॉयल्स टीम का अभिन्न अंग हैं और टीम के निर्विवाद कप्तान भी हैं।

30 वर्षीय संजू सैमसन का आरआर के साथ एक दशक से भी पुराना रिश्ता है। इस खिलाड़ी ने 2013 में पहली बार राजस्थान का हाथ थामा था और 2016 और 2017 सीजन को छोड़कर तब से वह आरआर के साथ हैं।

वहीं आईपीएल 2025 में सैमसन ने 9 पारियों में 35.62 की औसत और 140.39 की स्ट्राइक रेट से 285 रन बनाए। इस बीच उनके बल्ले से 1 अर्धशतक भी निकला था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 16 मैच में 531 रन बनाए थे।

एशिया कप 2025 से पहले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी 'अग्नि' परिक्षा

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए BCCI अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार BCCI अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें। उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है।

केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद BCCI कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

'हम जानते हैं कि हमारी टीम में सुधार की गुंजाइश है' : ब्रेंडन मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का कहना है कि उन्होंने उन क्षेत्रों की पहचान कर ली है जहां इंग्लैंड को एशेज से पहले सुधार करना होगा, जब भारत के खिलाफ एक रोमांचक सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई और मुख्य कोच का मानना है कि पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम जीत की हकदार थी।

भारत ने इस एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के 25वें और आखिरी दिन 56 मिनट के शानदार खेल में 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6 रन की जीत हासिल की, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे कम अंतर की जीत थी। इसका मतलब यह था कि इंग्लैंड 2018 के बाद से भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत से चूक गया। मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अभी तक भारत या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई सीरीज जीत दर्ज नहीं की है। चूंकि इंग्लैंड अब सितंबर में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सफ़ेद गेंद की सीरीज में उतरेगा, इसलिए खिलाड़ियों के पास आराम करने का समय है।

साल की शुरुआत से ही कोच के रूप में मैकुलम दोनों चुनौतियों में शामिल रहेंगे। लेकिन उनका तात्कालिक ध्यान, एक बार सब कुछ शांत हो जाने के बाद, पिछले सात हफ्तों पर रहेगा कि क्या काम आया और क्या नहीं। नवंबर में पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से पहले तैयारी करना उनका प्राथमिक

लक्ष्य होगा। मैकुलम ने कहा, 'हम पहले सब कुछ शांत होने देंगे और हम यह पता लगाएंगे कि क्या अच्छा रहा है और फिर यह तय करना शुरू करेंगे कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं, ताकि जब हम ऑस्ट्रेलिया पहुंचें, तो हमारे पास एक बड़ा मौका हो। हम जानते हैं कि हमारे पास सुधार की कुछ गुंजाइश है।'

उन्होंने कहा, 'जब आप खिलाड़ियों को दबाव में अपनी सीमाओं से परे जाकर प्रदर्शन करते हुए देखते हैं, तो आप हमेशा कुछ न कुछ सीखते हैं। बहुत सी चीजें हैं जिन पर हमें ध्यान देना है क्योंकि हम इसे समझने और उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए समय देंगे जिनमें हम अपनी अगली चुनौती के लिए सुधार कर सकते हैं। कुल मिलाकर, मुझे लड़कों और उनके प्रयासों पर बहुत गर्व है। यह एक प्रतिस्पर्धी सीरीज रही है, जिसमें, कुछ खिलाड़ी चोटिल भी हुए। यह सीरीज़ ड्रॉ हो चुकी है। आप निराश हैं लेकिन आपको उनके प्रयासों पर गर्व है।' स्कोरलाइन 2023 के घरेलू एशेज की तरह है, और हालांकि इंग्लैंड ने दो साल पहले ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की थी, लेकिन इस गर्मी में भारत के खिलाफ कुछ समानताएं थीं, जिनमें से कुछ ऐसे पल थे जिन्हें मेजबान टीम ने जाने दिया। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ, और द ओवल में भी, छूटे हुए कैचों की कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। लेकिन शायद सबसे दर्दनाक तब था जब 374 रनों का पीछा करते हुए जो रूट और हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड को 301 पर 3 तक पहुंचा दिया था, जिसके बाद 66 रनों के भीतर सात विकेट गिर गए।

मैकुलम छूटे हुए मौकों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहते थे, जिसे वह एक उच्च-स्तर की टीम के खिलाफ खेलने की कीमत मानते हैं। इंग्लैंड ने भारत की दूसरी पारी के 396 रनों में छह कैच छोड़े, जिसकी कीमत उन्हें 152 रन पड़ी। उन्होंने कहा, 'हमने इस मैच में बहुत अच्छी कैचिंग नहीं की लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने बहुत अच्छी कैचिंग की है। कभी-कभी एक कैच छूटने के बाद और ज्यादा कैच छूटते चले जाते हैं। अगर हमने अपने कैच पकड़े होते तो शायद हम नतीजे के दूसरी तरफ खड़े होते। यही जिंदगी है, खेल में बहुत सी छोटी-छोटी चीजें हैं जिन्हें हम चुन सकते हैं और जिनका बहुत बड़ा प्रभाव होता है। हम एक अच्छी फील्डिंग यूनिट हैं और इस टेस्ट में हमारा प्रदर्शन थोड़ा औसत था।'

उन्होंने कहा, 'हमने उन पर सब कुछ झोंक दिया। यह इस बात का प्रमाण था कि वे एक टीम के रूप में कितने मजबूत हैं। हम जानते थे कि जब वे इंग्लैंड में आएंगे तो यह एक बहुत ही कठिन चुनौती होगी और हमें वह नतीजा पाने के लिए शानदार क्रिकेट खेलना होगा जो हम चाहते थे। कुल मिलाकर मुझे लगा कि यह हिस्सा बनने के लिए एक पूरी तरह से अविश्वसनीय सीरीज थी। इसमें टकराव था, इसमें ठहराव था, इसमें जुनून था और दबाव में कुछ औसत से कम प्रदर्शन भी थे।' मैकुलम ने कहा, 'इस टेस्ट में भारत जिस तरह से अंत तक खेला, मोहम्मद सिराज में अपने 30वें ओवर में 90 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से गेंदबाजी करने के लिए एक शेर का दिल दिखाया, जो उनके पांचवें टेस्ट मैच में एक अविश्वसनीय प्रयास था।''

हैरी ब्रूक ने प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने पर असहमति जताई, यह सम्मान इस खिलाड़ी को मिलना चाहिए था

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय कोच गौतम गंभीर द्वारा उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा कि यह सम्मान 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए जो रूट को मिलना

चाहिए था। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त होने के बाद प्रत्येक टीम के कोच ने विरोधी टीम से प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए एक खिलाड़ी चुना। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने जहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल को चुना, वहीं गंभीर ने ब्रूक को इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी चुना। ब्रूक ने अंतिम टेस्ट के चौथे दिन 98 गेंदों पर 111 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिससे इंग्लैंड रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने की कगार पर पहुंच गया, लेकिन मेहमान टीम 66 रन पर सात विकेट गंवाकर 6 रन से मैच हार गई। ब्रूक ने कहा, 'मैंने रूटी (जो रूट) जितने रन नहीं बनाए, इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें मैन ऑफ द सीरीज और फिर से मैन ऑफ द समर चुना जाना चाहिए, जैसा कि वे कई सालों से करते आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक बेहतरीन स्थिति में हैं। जाहिर है, यह एक शानदार सीरीज रही है। 2-2, सच कहूं तो मैंने नहीं सोचा था कि यह इस तरह होगी।' ब्रूक ने पांच मैचों की सीरीज में 53.44 की औसत से 481 रन बनाए। वहीं रूट ने 67.12 की औसत से 537 रन बनाए हैं।

शुभमन, सिराज सहित पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया : गंभीर

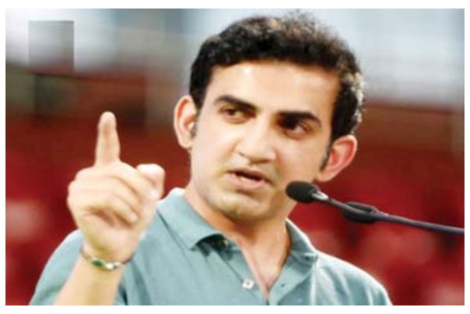

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौट आई है। दिल्ली पहुंचने पर टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की। इसके अलावा उन्होंने का कि इस दौरे में सभी ने अच्छा खेला इसलिए ये कहना संभव नहीं है कि किस खिलाड़ी ने सबसे अच्छा खेला। इस दौरे में शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कराई। शुभमन ने इस दौरे में 700 से अधिक रन बनाये। गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि शुभमन ने शानदार काम किया है, मैं यही कह सकता हूं और वह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, हम वाकई बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ियों ने पिछले दो महीनों से पांचों टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। वे हर तरह की तारीफ के अधिककारी हैं। गंभीर ने साथ ही कहा कि किसी एक खिलाड़ी का नाम लेना मुश्किल है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन शानदार रहा है पर केवल उन्होंने और शुभमन ने ही नहीं, बल्कि पूरी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि पिछले दो महीनों में सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। सिराज ने इस दौरे पर कुल 23 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने तीन मैचों में ही 14 विकेट ले लिए। इसके अलावा केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद पहुंचे, इंग्लैंड सीरीज के हीरो का स्वागत करने उमड़े प्रशंसक

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ हुई कड़ी टक्कर वाली टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद बुधवार को अपने गृहनगर हैदराबाद पहुंचे। हैदराबाद पहुंचने पर प्रशंसकों ने सिराज का जोरदार स्वागत किया। सिराज पांच मैचों की सीरीज में जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 23 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने सभी पांच मैच खेले और 185.3 ओवर फेंके।

सिराज टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ लंदन से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे और फिर अपने गृहनगर रवाना हो गए। उन्होंने काले रंग के कैजुअल कपड़े पहने हुए थे और प्रशंसकों के एक समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सेल्फी और ऑटोग्राफ के लिए अनुरोध किए गए, लेकिन सिराज जल्दी से एक कार में सवार होकर हैदराबाद के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ने के लिए घरेलू टर्मिनल के लिए

रवाना हो गए, जहां एक बार फिर प्रशंसकों के एक समूह ने उनका स्वागत किया।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने अभी तक उनसे बात नहीं की है। लेकिन हम निश्चित रूप से उनके लिए कुछ (सम्मान) योजना बनाएंगे, क्योंकि वह कुछ समय के लिए शहर में रह सकते हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया।'

सिराज का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन ओवल में अंतिम टेस्ट के 5वें दिन देखने को मिला, जब उनके साहस की बदौलत 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 367 रनों पर समेट दिया। सिराज ने पारी में 5 विकेट लेकर मैच में कुल 9 विकेट पूरे किए। भारत के टेस्ट इतिहास की सबसे कम रन से जीत (छह रन) के बाद मेहमान टीम ने श्रृंखला में 2-2 से बेहद सराहनीय ड्रॉ हासिल किया।

भारत के कप्तान शुभमन गिल, बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज के योगदान से खुश थे, जिन्हें पूर्व-निर्धारित कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुसार ओवल टेस्ट से आराम दिया गया था। गिल ने पांचवें टेस्ट के बाद कहा, 'वह (सिराज) एक कप्तान का सपना हैं, हर गेंद, हर स्पैल में उन्होंने पूरी ताकत झोंकी और टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया।'

सिराज ने कहा कि उन्हें हमेशा ओवल में आखिरी दिन अपनी टीम को जीत दिलाने का भरोसा था। मेहमान टीम को महज 35 रनों का बचाव करते हुए चार विकेट लेने थे। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से लगता है कि मैं किसी भी मोड़ पर मैच जीत सकता हूं, और आज सुबह भी कुछ अलग नहीं था।'

पूर्व क्रिकेट कोच यौन दुराचार के आरोप में निलंबित, महिलाओं को भेजता था गलत तस्वीरें

लंदन। एक अज्ञात पूर्व काउंटी क्रिकेट कोच को यौन दुराचार के आरोप स्वीकार करने के बाद 9 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। स्वतंत्र क्रिकेट अनुशासन पैनल ने पाया कि उस व्यक्ति ने 2023 और 2024 की गर्मियों में स्टाफ की दो महिला जूनियर सदस्यों को यौन रूप से स्पष्ट तस्वीरें भेजी थीं। उसने पेशेवर आचरण नियमों के पांच उल्लंघनों को स्वीकार किया, जिसमें दो सहकर्मियों को अनचाही यौन तस्वीरें भेजना भी शामिल है। पैनल ने 'असाधारण' स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों और नाम सार्वजनिक करने पर 'गंभीर नुकसान' के खतरे के कारण व्यक्ति की पहचान बताने से इनकार कर दिया। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी महिला 'प्रतिवादी से बहुत छोटी थी और वह क्रिकेट क्लब में उससे कहीं अधिक वरिष्ठ पद पर था।' उसके व्यवहार के कारण उसे बर्खास्त कर दिया गया और तब से वह खेल में कार्यरत नहीं है। पैनल को दिए गए आवेदनों में यह उल्लेख किया गया कि कोच ने 'अपने दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगी है और पश्चाताप व्यक्त किया है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने स्वेच्छा से एक शिक्षा पाठ्यक्रम लिया था और 'अवांछित स्पष्ट संदेशों के प्रभाव को समझने के लिए एक पूर्व पेशेवर खिलाड़ी के साथ काम किया था।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'उन्हें उम्मीद थी कि अब वह एक बेहतर इंसान बन रहे हैं। उन्हें कार्यस्थल की सीमाओं, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और यौन उत्पीड़न के बारे में बेहतर समझ थी।' यह प्रतिबंध आरोपों के दर्ज होने से छह महीने पहले लगाया गया है, साथ ही तीन महीने का निलंबन और एक अनिवार्य शिक्षा पाठ्यक्रम पूरा करना होगा। क्रिकेट नियामक के प्रबंध निदेशक क्रिस हावर्ड ने कहा, 'इस तरह का आचरण अस्वीकार्य है। जहां ऐसे मामले सामने आते हैं, उनकी जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। खेल से यौन दुर्व्यवहार को हटाना क्रिकेट नियामक की प्राथमिकता है। हम मानते हैं कि प्रभावित लोगों को आगे आने के लिए बहुत साहस की आवश्यकता होती है। हम प्रतिबद्ध हैं कि जब भी हमारे पास कोई आरोप लगाया जाता है, चाहे वह वर्तमान में हो या अतीत में, उसकी गहन और शीघ्रता से जांच की जाए।'

आने वाले समय में बुमराह को एक ही प्रारुप में उतार सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आने वाले समय में केवल सीमित ओवरों में ही खेलते दिख सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुमराह को फिट बनाये रखने के लिए ही उन्हें इंग्लैंड दौर में तीन टेस्ट मैचों में ही उतारा था। वहीं कई दिग्गजों का मानना है कि बुमराह के महत्व हो देखते हुए प्रबंधन और बोर्ड को तय करना होगा कि उनका बेहतर उपयोग किया प्रकार किया जाये। जिस प्रकार से इंग्लैंड दौरे में मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छा प्रदर्शन किया उससे तय है कि अब ये बुमराह के बिना भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं, ऐसे में अब एशिया कप, टी-20 और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए बुमराह को तैयार रखने की जरुरत है। आने वाले समय में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी है पर इसमें बुमराह की अधिक जरुरत नहीं है। ऐसे में उन्हें बड़े मुकाबलों के लिए बचाकर रखा जाएगा।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में ये संभव है कि बुमराह को अब आने वाले समय में सफेद गेंद प्रारुप ही ही अधिक ध्यान देने कहा जाये। अगले दो साल में उनके खेलने के लिए पर्याप्त टी-20 और एकदिवसीय मैचों के साथ ही आईपीएल भी है। ऐसे में सभी प्रारूपों में कुछ मैच खेलने की जगह उन्हें एक ही प्रारूप में सभी मैच खेलने देना चाहिये जिससे वह तरोताजा बने रहेंगे जिसका लाभ टीम को मिलेगा।'

नाओमी ओसाका का बेहतरीन प्रदर्शन, स्वितोलिना को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

टोरंटो। दुनिया की पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी नाओमी ओसाका पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 एलीना स्वितोलिना को हराकर कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ओसाका ने इस दौरान स्वितोलिना को 6-2. 6-2 से हराकर WTA 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इस जीत के साथ ही उनकी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। अब वह WTA रैंकिंग में 51 से ठीक 29वें स्थान पर आ गई हैं, और टाइटल जीतने पर नंबर 21 तक जा सकती है। बता दें कि, आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में डब्ल्यूटीए टूर का खिताब जीतने वाली ओसाका ने 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट बचाए और क्वार्टरफाइनल मुकाबला सिर्फ एक घंटे आठ मिनट में जीत लिया। वहीं यह ओसाका की स्वितोलिना के खिलाफ आठ मुकाबलों में पांचवीं जीत थी और इस जीत के साथ 27 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची है। वहीं अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। टॉसन ने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। जापान की मूल निवासी ये खिलाड़ी अपने करियर का आठवां और 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहला खिलाब जीतने की कोशिश में हैं। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी।

'सिराज को वह श्रेय नहीं मिलता जिसके वह हकदार हैं', सचिन तेंदुलकर ने तेज गेंदबाज की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें मोहम्मद सिराज का रवैया बहुत पसंद है, और साथ ही कहा कि इस तेज गेंदबाज़ को वह श्रेय नहीं मिलता जिसका वह हकदार है। ओवल के पांचवें दिन सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और भारत ने इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली।

इंग्लैंड के पास सिराज की सटीकता का कोई जवाब नहीं था क्योंकि उन्होंने पांचवें दिन 25 गेंदों में केवल 9 रन देकर तीन विकेट चटकाकर निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। सिराज ने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उखाड़कर भारत की जीत पक्की कर दी और भारतीय क्रिकेट की समृद्ध परंपरा में शामिल हो गए।

तेंदुलकर ना कहा, 'अविश्वसनीय। शानदार दृष्टिकोण। मुझे उनका रवैया बहुत पसंद है। मुझे उनके पैरों में स्प्रिंग बहुत पसंद है। एक तेज गेंदबाज का इस तरह लगातार आपके सामने रहना, किसी भी बल्लेबाज को पसंद नहीं आएगा। और आखिरी दिन अंत तक उन्होंने जो दृष्टिकोण बनाए रखा; मैं कमेंटेटरों को यह कहते हुए भी सुन सकता था कि उन्होंने सीरीज में 1,000 से ज़्यादा गेंदें फेंकने के बाद आखिरी दिन लगभग 90 मील प्रति घंटे (145 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंदबाजी की। यह उनके साहस और बड़े दिल को दर्शाता है।'

सिराज 32.43 की औसत से 23 विकेट लेकर सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे, उन्होंने 1113 गेंदें फेंकी। तेंदुलकर ने आगे कहा, 'आखिरी दिन उन्होंने जिस तरह से शुरुआत की, वह काबिले तारीफ थी और उन्होंने हमेशा अहम भूमिका निभाई है। जब भी हमें उनकी जरूरत पड़ी, जब भी हम चाहते थे कि वे धमाकेदार प्रदर्शन करें, उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। वह पहले भी लगातार ऐसा कर पाए हैं, और इस सीरीज में भी यही हुआ। जिस तरह से उन्होंने इतने विकेट लिए और अच्छा प्रदर्शन किया, उससे उन्हें वह श्रेय नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं।'

सिराज उस सीरीज में सबसे बेहतरीन गेंदबाज बने, जिसमें जसप्रीत बुमराह कार्यभार प्रबंधन के कारण केवल तीन मैच ही खेल पाए थे, खासकर इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में पीठ में चोट लगने के बाद। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में बुमराह ने 14 विकेट लिए, जिनमें दो बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

ईडी की छापेमारीः 260 करोड़ की साइबर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग का भंडाफोड़

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तराखंड में एक बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई, जिसमें दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून के कम से कम 11 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सूत्रों के अनुसार, यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर का है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून जैसे शहरों में सक्रिय ठग भारतीय और विदेशी नागरिकों को पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर डराते थे और गिरफ्तारी के नाम पर उनसे पैसे ऐंठते थे। इसके अलावा, वे खुद को माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन की तकनीकी सहायता सेवाओं के एजेंट बताकर भी लोगों से ठगी करते थे। ईडी की जांच में पता चला है कि ठगों ने पीड़ितों की धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया था और इसे अपने पास ट्रांसफर कर लिया था। आरोपियों ने कई क्रिप्टो वॉलेट्स में लगभग 260 करोड़ की बिटकॉइन जुटाई थी, जिसे बाद में यूएसडीटी में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया। यह लेन-देन कई हवाला ऑपरेटरों और यूएई में स्थित व्यक्तियों के माध्यम से किया गया।

कैस्ट्रॉल इंडिया की दूसरी तिमाही में आय 1,497 करोड़ रही

नई दिल्ली ।

कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने साल 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) और पहले छह महीनों (जनवरी-जून) के नतीजे जारी किए। कंपनी जनवरी से दिसंबर के बीच का`` वित्तीय वर्ष फॉलो करती है। दूसरी तिमाही में कैस्ट्रॉल इंडिया की कुल कमाई 1,497 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही की 1,398 करोड़ की तुलना में 7 फीसदी ज्यादा है। मुनाफा 5.1 फीसदी बढ़कर 244 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 232.2 करोड़ था। वहीं एबी टिडा(कमाई से पहले का मुनाफा) 8.1 फीसदी बढ़कर 349.2 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछली बार यह 322.7 करोड़ था। ऐ बि टिडा मार्जिन भी थोड़ा सुधरकर 23.1 फीसदी से बढ़कर 23.3 फीसदी हो गया। कैस्ट्रॉल इंडिया ने साल 2025 के लिए 3.50 प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह डिविडेंड उन शेयरधारकों को मिलेगा जिनका नाम रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त 2025 को रजिस्टर में दर्ज होगा। डिविडेंड का भुगतान 3 सितंबर बुधवार से पहले कर दिया जाएगा। कैस्ट्रॉल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि दूसरी तिमाही में हमारा कामकाज ठीक रहा और हमने पहली तिमाही की रफ्तार को बनाए रखा। गांवों में हमारा कारोबार बढ़ रहा है, इंडस्ट्रियल बिजनेस में नए ग्राहक जुड़ रहे हैं और बड़ी गाड़ियों और मशीनों की कंपनियों के साथ हमारा साथ और मजबूत हो रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया कोई बदलाव

- रेपो रेट 5.5 फीसदी पर बरकरार, बेहतर इकॉनॉ मिक की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगस्त बैठक के नतीजों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया गया है। वैश्विक स्तर पर चुनौतियां एवं टैरिफ को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि फरवरी से अब तक 100 बेसिस प्वाइंट रेट कट हो चुका है। पॉलिसी दरों में कटौती पर ट्रांसमिशन जारी सभी सदस्यों ने न्यूट्रल रुख बरकरार रखा है। अे निश्चितता से दरों में ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला सरकार को बेहतर इकॉनमी की उम्मीद है। एक सर्वे में 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि समिति यथास्थिति बनाए रखेगी। वहीं कम से कम 10 उत्तरदाताओं ने 25 आधार अंकों (बीपी) की ब्याज दर में कटौती का अनुमान जताया था। केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से अब तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति की बैठक में रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी थी। वहीं फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत की कमी की गयी थी। बता दें कि यह वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मॉनेटरी पॉलिसी है। इसके साथ ही तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक समाप्त हो गई। यह सोमवार, 4 अगस्त से शुरू हुई थी। ज्यादातर विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि आधार अंकों की कटौती के बाद रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकती है। इस साल फरवरी और जून के बीच कुल 100 आधार अंकों की कटौती के साथ रेपो दर वर्तमान में 5.5 प्रतिशत है। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक कमर्शियल बैंकों को कर्ज देता है। यह दर सीधे ग्राहकों के कंज्यूमर को प्रभावित करती है।

ऐसा इसलिए क्योंकि जब रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंक भी आमतौर पर अपने ऋणों की ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। इससे होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई महंगी हो जाती है। वहीं, यदि रेपो रेट घटती है, तो लोन सस्ते हो सकते हैं, लेकिन इससे सेविंग्स अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिटपर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है।

टेस्ला ने गुरुग्राम में खोला पहला इंटीग्रेटेड सर्विस सेंटर और रिटेल स्टोर

नई दिल्ली ।

ग्लोबल इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता टेस्ला ने भारत में अपने विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए गुरुग्राम के सोहना रोड स्थित ऑर्किड बिज़नेस पार्क में 33,475 स्क्वायर फीट का कमर्शियल स्पेस लीज पर लिया है। यह स्थान कंपनी के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के पहले इंटीग्रेटेड सर्विस सेंटर, डिलीवरी हब और कस्टमर रिटेल स्टोर के रूप में काम करेगा। टेस्ला ने यह लीज ग्रेवाल प्रापर्टीज, ओ र्किड इंफ्रास्टक्चर डेवलपर और सने सिटी रीयल स्टेट के साथ मिलकर साइन की है। लीज समझौता 28 जुलाई को रजिस्टर हुआ और 15 जुलाई 2025 से प्रभावी हो गया। कंपनी ने इस स्पेस के लिए 2.41 करोड़ का सिक्योरिटी डिपॉजिट और 40.17 लाख मासिक किराया तय किया है। यह लीज शुरुआती तीन वर्षों तक नॉन-टर्मिनेबल रहेगी और हर साल किराये में 4.75 फीसदी की वृद्धि होगी। टेस्ला को यह स्पेस 'बेर शेल' कंडीशन में मिला है, जिससे वह अपने अनुसार इंटीरियर डिजाइन और सेटअप कर सकेगी।

भारत को टैरिफ की धमकी दे रहे डोनाल्ड....द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन कर रहा देश में बंपर कमाई

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार का भारत से गहरा कारोबारी रिश्ता है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप परिवार का संगठन, द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन, भारत को अमेरिका के बाहर अपने सबसे बड़े बाज़ार के रूप में देखता है। द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने बीते 10 सालों में भारत में कई बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं, जिसमें गुरुग्राम, पुणे, मुंबई और कोलकाता जैसे शहर शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स से संगठन ने 175 मिलियन (1450 करोड़ से ज़्यादा) से ज़्यादा की कमाई की है।

2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद, उनके संगठन ने भारत में अपने कारोबार को और भी तेज़ी से बढ़ाया है। उन्होंने भारतीय पार्टनर ट्रिबेका डेवलपर्स के साथ मिलकर छह नए प्रोजेक्ट्स का ऐलान किया है, जिनकी कुल बिक्री 1.8 बिलियन डॉलर (15,000 करोड़) से ज़्यादा होने की उम्मीद है। ये प्रोजेक्ट्स पुणे, गुरुग्राम, हैदराबाद, मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु जैसे शहरों में बनाए जा रहे हैं।

बात दें कि द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन सीधे तौर पर निर्माण में पैसे नहीं लगाता। इसके बजाय, वह अपने ब्रांड का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है, जिसके बदले में द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन को प्रोजेक्ट की बिक्री से 3 से 5 प्रतिशत तक का हिस्सा मिलता है। इस मॉडल के चलते, ट्रंप ब्रांड के लग्ज़री फ्लैट्स की कीमतें ज़्यादा होती हैं, जिससे संगठन को बड़ा मुनाफ़ा होता है।

एक ओर जहां राष्ट्रपति ट्रंप अपनी राजनीतिक रैलियों में भारत को डेड इकोनॉमी बताते हैं और टैरिफ लगाने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके परिवार का भारत के साथ व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहा है। यह दिखाता है कि उनकी राजनीतिक बयानबाजी और उनके कारोबारी हित दोनों अलग-अलग हैं। इतना ही नहीं ट्रंप के बेटे एरिक और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर भी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि भारत उनके संगठन के लिए सबसे बड़ा विस्तार वाला बाज़ार है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 87.77 पर बंद हुआ। वहीं रुपया मंगलवार को 87.78 पर बंद हुआ था। शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.72 पर खुला। फिर थोड़ी गिरावट के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंच गया और 22 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 98.71 पर आ गया।

भारत में डीमैट खातों की संख्या 20 करोड़ के पार

नई दिल्ली । भारत में शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड जैसे निवेश माध्यमों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से देश में डीमैट खातों की संख्या पहली बार 20 करोड़ के पार पहुंच गई है। सीडीएसएल और एनएसडीएल के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 31 जुलाई 2025 तक सीडीएसएल के पास 16.1 करोड़ डीमैट खाते थे, जबकि एनएसडीएल के पास 30 जून 2025 तक 4.05 करोड़ खाते दर्ज थे। इन आंकड़ों को मिलाकर कुल डीमैट खातों की संख्या 20.16 करोड़ तक पहुंच गई है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे मुख्य रूप से 30 वर्ष से कम उम्र के युवा निवेशकों की भागीदारी है। उनके अनुसार, उनके प्लेटफॉर्म पर लगभग 75 फीसदी नए खाते युवा निवेशकों द्वारा खोले गए हैं। यह दर्शाता है कि युवा वर्ग अब निवेश के प्रति ज्यादा जागरूक और सक्रिय हो रहा है। हालांकि, नए डीमैट खाते खुलने की गति 2025 में कुछ धीमी हुई है। जहां 2024 में प्रति माह औसतन 30 से 46 लाख नए खाते खुलते थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर 20 से 28 लाख प्रति माह रह गई है।

श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का शेयर बुधवार को अपने आईपीओ निर्गम मूल्य 150 रुपये से 19 फीसदी से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 179.10 रुपये पर खुला और बाद में 183.40 रुपये तक पहुंच गया, जो 22.27 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी शेयर 178 रुपये पर खुला और 183.70 रुपये पर कारोबार करने लगा। कंपनी का एनएसई पर बाजार मूल्यांकन 8,971 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने 792 करोड़ रुपये के आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए, जिसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं था। आईपीओ को 69.14 गुना अभिदान मिला था। इस सफलता से कंपनी के भविष्य और निवेशकों के भरोसे को मजबूती मिली है।

एमएंडबी इंजीनियरिंग का शेयर बाजार में आठ प्रतिशत चढ़ा

- लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई

नई दिल्ली । देश की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक एमएंडबी इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत की। कंपनी का शेयर एनएसई पर अपने निर्गम मूल्य 385 पर सूचीबद्ध हुआ, जबकि बीएसई पर यह मामूली बढ़त के साथ 386 पर खुला। लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई और यह एनएसई पर 415.60 तथा बीएसई पर 413.70 तक पहुंच गया, जो क्रमशः 7.74 फीसदी और 7.45 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण बीएसई पर 2,379.94 करोड़ रहा। एमएंडबी इंजीनियरिंग के 650 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी और इसे अंतिम दिन तक 36.2 गुना अधिक अभिदान प्राप्त हुआ। यह आईपीओ 275 करोड़ के नए शेयर और 375 करोड़ की ओएफएस (ऑफर फॉर सेल) का संयोजन था। शेयर का मूल्य दायरा 366 से 385 प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने अपने आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से लगभग 292 करोड़ जुटाए थे। जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी द्वारा उपकरण व मशीनरी की खरीद, ऋण भुगतान, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। तेजी से लिस्टिंग और भारी अभिदान से स्पष्ट है कि निवेशकों को कंपनी के भविष्य की वृद्धि क्षमता और इंजीनियरिंग सेक्टर में उसकी भूमिका पर पूरा भरोसा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई । आज कारोबार के दौरान आईटी और फार्मा शेयरों में हुई भारी गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.26 अंक नीचे आकर 80,543.99 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.35 अंक फिसलकर 24,574.20 अंक पर आ गया। आज रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बनाये रखा जिससे भी कई क्षेत्रो में गिरावट दर्ज की गयी और बाजार लाल निशान पर बंद हुए।

आज के बाजार में सेंसेक्स कंपनियों में से इन्फोसिस, सन फार्मास्युटिकल्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे जबकि अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, बीईएल और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर उछले।

इससे पहले आज सुबह आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति एमपीसी ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखने का ऐलान किया। इस घोषणा के बाद सेंसेक्स लगभग 116 अंक गिरकर 80,600 के स्तर पर पहुंच गया। जबकि एनएसई निफ्टी50 इंडेक्स 50 अंक की गिरावट के साथ 24,600 के स्तर पर आ गया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कोर महंगाई दर 4 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून और अन्य अनुकूल परिस्थितियां देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देना जारी रखे हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वह अगले 24 घंटों में टैरिफ में 'काफी भारी' बढ़ोतरी करेंगे क्योंकि भारत रूसी तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने आगे कहा कि भारत ÷एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं है। वहीं वॉल स्ट्रीट के साथ एशियाई शेयर बाजार में भी बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.61 फीसदी बढ़कर 8,824 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

इस बीच, जापान का निक्केई 225 0.12 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.64 फीसदीनीचे रहा। अमेरिका में मंगलवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए।

देश के नागरिकों का हित और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकताः संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान कहा कि देश के नागरिकों का हित और कल्याण आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से समाज के निचले तबके के लोगों को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। मल्होत्रा ने बताया कि वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशभर के पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में लोगों को नए बैंक खाते खोलने, केवाईसी दोबारा कराने और बीमा व पेंशन योजनाओं से जोड़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्राहक शिकायतों का समाधान भी मौके पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन-धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने के बाद बड़ी संख्या में खातों की केवाईसी प्रक्रिया दोबारा की जा रही है, जिससे कुछ खाते बंद हुए हैं। इसलिए, आम जनता की सुविधा के लिए स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

भारत में पेरासिटामोल पर प्रतिबंध नहींः अनुप्रिया पटेल

- पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़ पर प्रतिबंध लगाया गया है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसद के मानसून सत्र के दौरान पेरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध को लेकर उठे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भारत में आमतौर पर उपयोग की जाने वाली पेरासिटामोल दवा पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। हालांकि, पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़, जो अन्य दवाओं के साथ संयोजन में आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अनुप्रिया पटेल ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में अफवाहों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि देश में पेरासिटामोल प्रतिबंधित नहीं है और यह दवा सामान्य रूप से उपलब्ध है। इसके साथ ही, राज्य मंत्री ने सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू की गई मुफ्त दवा सेवा पहल की जानकारी दी। इस पहल का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मरीजों के जेब खर्च को कम करना है। इस योजना के तहत राज्यों को निःशुल्क दवाओं के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। सरकार दवाओं की खरीद, गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ऑडिटिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए कड़ी व्यवस्था कर रही है। साथ ही औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली नामक सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म की मदद से आवश्यक दवाओं की खरीद और उपलब्धता की निगरानी की जा रही है। सरकारी अस्पतालों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 697 दवा फॉर्मूलेशन के लिए सक्रिय दर अनुबंध भी बनाए गए हैं। इससे देशभर में आवश्यक दवाओं की गुणवत्तापूर्ण और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड ला रही है आईपीओ

- 7-11 अगस्त तक पैसा लगाने का मौका

मुंबई । प्लास्टिक के घरेलू और किचन सामान बनाने वाली जानी-मानी कंपनी ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला रही है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 260 से 275 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 7 अगस्त से 11 अगस्त तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए यह 6 अगस्त को ही खुल जाएगा। कंपनी इस इश्यू के ज़रिए बाजार से 400.60 करोड़ तक की राशि जुटाने की योजना बना रही है। इस रकम का उपयोग कंपनी विस्तार, ऋण चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए करेगी।

सरला एविएशन ने राजीव बंसल को सलाहकार नियुक्त किया

मुंबई । बेंगलुरु स्थित एयर टैक्सी स्टार्टअप सरला एविएशन ने बुधवार को पूर्व नागर विमानन सचिव राजीव बंसल को अपना सलाहकार नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी की ओर से जारी बयान में बताया गया कि बंसल अब नियामकीय सेवाओं और प्रमाणन से जुड़ी रणनीति के विकास में कंपनी का मार्गदर्शन करेंगे। राजीव बंसल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत लगभग 35 वर्षों तक विभिन्न पदों पर कार्य किया है। वे अगस्त 2023 में सेवा से सेवानिवृत्त हुए और अपने कार्यकाल के दौरान एयर इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे हैं। उनके पास विमानन क्षेत्र का गहरा अनुभव और नीतिगत समझ है, जो अब सरला एविएशन के काम आएगी।

आतंकवादियों से लोहा लेते दिखे जॉन अब्राहम, तेहरान का ट्रेलर रिलीज

अगस्त के महीने में कई दिलचस्प फिल्में थिएटर्स में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, ओटीटी पर भी बहार रहेगी। इस महीने ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों में जॉन अब्राहम की तेहरान का नाम भी शामिल है। इसी फिल्म का 01 अगस्त को ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है। फिल्म तेहरान 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज होगी। इसे जी5 पर देखा जा सकेगा। जी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। जॉन अब्राहम आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम करते दिख रहे हैं। वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता एक्शन अवतार में दिख रहे हैं।

फिल्म तेहरान को सच्ची घटना पर आधारित बताया जा रहा है। ट्रेलर की शुरुआत में आवाज आती है, ये इंटरनेशनल मैटर है, तीन देशों में ब्लास्ट हुआ है। ये आतंकवादियों का काम है और हमें इन्हें बेनकाब करना होगा। कहां है राजीव कुमार? इसके बाद जॉन अब्राहम की झलक दिखाई देती है। पुलिस ऑफिसर वाले तेवर के साथ वे एक्शन अवतार में नजर आए हैं।

ट्रेलर में जॉन के कई दमदार डायलॉग ट्रेलर में सुनाई देते हैं। एक जगह जॉन कहते हैं, जब एक सोल्जर दूसरे सोल्जर को मारता है तो बात देश को होती है, लेकिन जब एक आतंकवादी किसी मासूम की जान लेता है तो बात बहुत पर्सनल हो जाती है। एक अन्य डायलॉग है, जब तक बम लगाने वाले हाथ काट नहीं दिए जाते, तब तक इंडिया को कोई सीरियसली नहीं लेगा। फिल्म का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है। इसे दिनेश विजन ने प्रोड्यूसर किया है। ट्रेलर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। वहीं कुछ दर्शक लिख रहे हैं, यह फिल्म थिएटर्स में रिलीज होनी चाहिए थी।

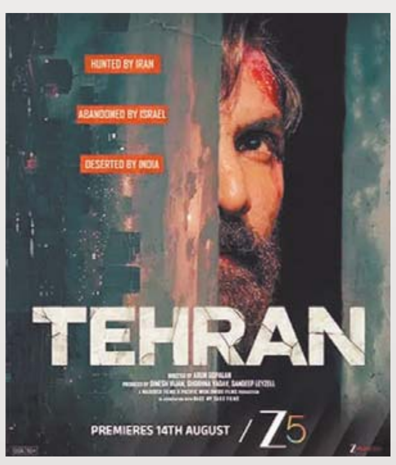

नेशनल अवार्ड मिलने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ

प्रतिभाशाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी प्रशंसित फिल्म कटहल– अ जैकफ्रूट मिस्ट्री को इस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का खिताब दिलाकर अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर लिया है। अपने बहुमुखी अभिनय और अनोखी पटकथाओं को चुनने की कला के लिए जानी जाने वाली सान्या एक बार फिर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनी हैं जो अपनी विषयवस्तु और कलात्मक प्रस्तुति के लिए सराही गई हैं। सान्या मल्होत्रा की व्यंग्यात्मक कॉमेडी फिल्म कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री, जिसे इसकी ताजगी भरी कहानी, सामाजिक प्रासंगिकता और अनोखे हास्य के लिए प्रशंसित है, फिल्म में उन्होंने एक जुझारू पुलिस अफसर की भूमिका निभाई, जो दो कीमती कटहलों की चोरी की जांच करती है। इस बड़ी जीत के बाद सान्या ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा- मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ कि कटहल को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यह कहानी मेरे लिए बेहद खास रही है, और मैं गुनीत मोंगा, अचिन जैन और पूरी टीम की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इतना अनोखा किरदार दिया। यह फिल्म व्यंग्य और संवेदनशीलता के माध्यम से समाज की महत्वपूर्ण सच्चाइयों को दर्शाती है, और मुझे खुशी है कि यह दर्शकों के साथ जुड़ पाई। इस सम्मान से मुझे और भी अधिक सार्थक सिनेमा चुनने की प्रेरणा मिलती है। जूरी और कटहल को समर्थन देने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद।

इस खुशी में और इज़ाफ़ा करते हुए, विक्की कौशल के साथ सान्या मल्होत्रा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म सैम बहादुर को कई पुरस्कारों से नवाज़ा गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ मेकअप, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और राष्ट्रीय, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म शामिल हैं। भारत के महान फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर आधारित इस बायोपिक को उसकी प्रामाणिकता और देशभक्ति व नेतृत्व की प्रेरणादायक कहानी के लिए खूब सराहा गया। सान्या की सफलता यहीं नहीं रुकी — शाहरुख़ ख़ान अभिनीत फिल्म जवान, जिसमें सान्या एक अहम भूमिका में थीं, ने भी शीर्ष सम्मान अर्जित किया, जो उनकी उस सिनेमा से जुड़ाव को दर्शाता है जो न केवल प्रभावशाली बल्कि व्यावसायिक रूप से भी सफल हैं। सान्या मल्होत्रा के लिए ऐसे आलोचनात्मक और व्यावसायिक रूप से सफल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना यह साबित करता है कि वे एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो हर किरदार में गहराई और विश्वसनीयता लाती हैं। कटहल ने उनके हास्य अभिनय और पात्र–प्रधान भूमिकाओं की प्रतिभा को उजागर किया है, वहीं सैम बहादुर और जवान जैसी फिल्मों ने उन्हें समुच्चय आधारित कहानियों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया है। सान्या अब बॉलीवुड की उन चुनिंदा और भरोसेमंद कलाकारों में शुमार हो चुकी हैं, जो दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीतती हैं।

सैम बहादुर को तीन सम्मान मिलने पर फातिमा सना शेख गदगद

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जो अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में अपनी फिल्म सैम बहादुर को मिली सफलता से बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म ने तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं – राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ मेकअप और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन। इस बड़ी उपलब्धि पर फातिमा ने पूरी टीम को बधाई दी और इस यादगार सफर का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। फातिमा ने एक भावुक बयान में कहा, सैम बहादुर की टीम को तीन शानदार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर ढेरों बधाई!! यह वास्तव में मेरे लिए एक गर्व का क्षण है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर और श्रीमती इंदिरा गांधी का किरदार निभाकर मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने फिल्म की निर्देशक मेघना गुलज़ार की भी सराहना करते हुए कहा, मेघना गुलज़ार के साथ काम करना एक सपना सच होने जैसा था, और यह मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित सैम बहादुर भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फातिमा ने इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी। उनके सशक्त और विश्वसनीय अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली थी, जिसने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया।

पाकिस्तान से जुड़े इवेंट में शामिल होंगे कार्तिक आर्यन? टीम ने दी सफाई

हाल ही में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कार्तिक आर्यन को एक ऑफिशियल लेटर लिखा, जिसमें बताया कि वह ह्यूस्टन में होने वाले एक इवेंट में भाग ले रहे हैं, जिसको करवाने वाला शख्स एक पाकिस्तानी है। इस बात का पता चलने पर कार्तिक आर्यन की टीम ने अब सफाई दी है।

कार्तिक आर्यन की टीम ने सफाई देते हुए जवाब दिया है, 'कार्तिक आर्यन किसी भी तरह से उस इवेंट से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने इवेंट में भाग लेने की कभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। हमने इवेंट कराने वाले लोगों से कॉन्टैक्ट किया है और कार्तिक का नाम, तस्वीरें प्रमोशन मटीरियल से हटाने का अनुरोध किया है।'

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने एक लेटर कार्तिक आर्यन को लिखा। इसमें बताया गया कि कार्तिक आर्यन 15 अगस्त 2025 को ह्यूस्टन, अमेरिका में आयोजित होने वाले आजादी के एक उत्सव भाग ले रहे हैं। कार्तिक आर्यन इस इवेंट में चीफ गेस्ट हैं। लेकिन यह इवेंट एक पाकिस्तानी रेस्तरां मालिक ने आयोजित किया है। फेडरेशन का यह भी मानना है कि इवेंट कराने वाले लोगों को लेकर कार्तिक आर्यन को जानकारी नहीं रही होगी। ऐसे में कार्तिक आर्यन से रिक्वेस्ट की गई कि वह इस इवेंट में शामिल ना हों।

इन दिनों कार्तिक आर्यन एक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग कर रहे हैं, इसे करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। कार्तिक, करण जौहर के प्रोडक्शन की एक और फिल्म कर रहे हैं, जिसमें वह इच्छाधारी नाग बनेंगे। इस फिल्म का नाम 'नागजिला' होगा।

एल्विश यादव के हाथ लगा एक और रियलिटी शो

इस वक्त एल्विश यादव के करियर के सितारे बुलंदियों पर हैं। वह जिस भी चीज में हाथ डाल रहे हैं, वहां से विनर बनकर निकल रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 और रोडीज के बाद एल्विश यादव ने लाफ्टर शेफ्स 2 जीता, और अब वह एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। एल्विश यादव जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है। एल्विश ने शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया कि एल्विश यादव काफी समय से एक्टिंग की दुनिया में उतरने का मन बना रहे थे, और यह प्रोजेक्ट उनके विजन के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। एल्विश अभी भोपाल में शूटिंग कर रहे हैं, और बेहद एक्साइटेड हैं।

एल्विश यादव ने लगातार जीते ये रियलिटी शोज, बढ़ती गई पॉपुलैरिटी

एल्विश यादव एक पॉपुलर यूट्यूबर रहे हैं, और वहीं से उन्हें बिग बॉस ओटीटी में जाने का मौका मिला था। उन्होंने बतौर वाइल्ड कार्ड शो में एंट्री की थी, और विनर बनकर इतिहास रच दिया था। इसके बाद एल्विश यादव की पॉपुलैरिटी और बढ़ गई। उन्होंने कई म्यूजिक वीडियोज किए और MTV Roadies XX में नजर आए। वह इस शो के भी विनर बने, और हाल ही करण कुंद्रा के साथ लाफ्टर शेफ्स– एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड जीता।

एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ, लाफ्टर शेफ्स 2 से इनकम

एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ की बात करें, तो वह यूट्यूब के अलावा म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शोज जीतकर मोटी कमाई कर रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स 2 में एल्विश को हर एपिसोड के लिए 2 लाख रुपये मिले। वह पूरे 44 एपिसोड्स में नजर आए। इस हिसाब से देखें तो एल्विश ने इस शो से 88 लाख रुपये कमाए। इसके अलावा उन्होंने और करण कुंद्रा ने प्राइज मनी भी जीती, जिसका खुलासा नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव की नेट वर्थ 50 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है।

एल्विश यादव को मिला एक और शो, जियो हॉटस्टार पर शुरू

एल्विश यादव का करियर एकदम चरम पर है। उनके हाथ एक और नया रियलिटी शो लगा है, जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जा रहा है। इसका नाम है अड्डा एक्स्ट्रीम बैटल। वह इसे होस्ट कर रहे हैं और हाल ही इसका प्रोमो भी रिलीज किया गया, जिसे एल्विश यादव ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

छोरियां चली गांव के जरिए आज की पीढ़ी को दिखाना चाहता हूं देश की खूबसूरती

अभिनेता और होस्ट रणविजय सिंह अपकमिंग रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस शो के जरिए वह वर्तमान पीढ़ी, खासकर अपने बच्चों को भारत के सादे जीवन और गांवों की खूबसूरती से रूबरू कराना चाहते हैं। रणविजय के लिए यह शो बेहद खास है, क्योंकि उनकी बचपन की यादें पंजाब के गांव से जुड़ी हैं।

रणविजय ने बताया, बचपन में मैं हर गर्मी की छुट्टियों में अपने दादा–दादी के पास गांव जाता था। मुर्गे की आवाज के साथ सुबह उठना, खेतों में नंगे पांव दौड़ना, हैंडपंप से पानी निकालना, गाय के तबेले से दूध लाना और खेतों में मदद करना ये सब मेरी दिनचर्या का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इन छोटी–छोटी चीजों को परिवार के सामने गर्व से दिखाना उन्हें अच्छा लगता था। उन्होंने आगे कहा, आज की पीढ़ी को ऐसी जिंदगी का अनुभव नहीं मिलता। मैं चाहता हूं कि छोरियां चली गांव के जरिए मेरे बच्चे और युवा पीढ़ी असली भारत को देखें, जहां लोग सादगी से, लेकिन शांति से जीते हैं। रणविजय का मानना है कि यह शो न केवल मनोरंजन करेगा, बल्कि दर्शकों को गांव की सादगी और मूल्यों से जोड़ेगा। वह यह भी चाहते हैं कि उनके बच्चे पानी और भोजन की कीमत समझें और अपने हाथों से काम करने की खुशी को जानें।

छोरियां चली गांव एक अनोखा नॉन–फिक्शन शो है। इस शो में 11 आत्मनिर्भर लड़कियों को 60 दिनों के लिए एक गांव में भेजा जाएगा। वहां वे गांव के रहन–सहन, तौर–तरीकों और परंपराओं के बीच रहेंगी। ये लड़कियां गांव के माहौल में खुद को ढालने की कोशिश करेंगी। उन्हें खाना बनाना, पशुओं की देखभाल करना, खेत में काम करना आदि गांव में होने वाले सभी काम करने होंगे। इस सफर में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिससे उनकी असली ताकत और जज्बा सामने आएगा। इस शो का मकसद शहर की लड़कियों की ताकत, जज्बा और माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की क्षमता को दिखाना है। छोरियां चली गांव जल्द ही जीटीवी पर प्रसारित होगा।

12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने पर बोले विक्रांत

फिल्म '12वीं फेल' की कहानी हाशिए पर खड़े उन लोगों की थी, जो मेहनत के दम पर, पढ़–लिखकर यूपीएससी जैसा एग्जाम पास करते हैं। इस संघर्ष को फिल्म में विक्रांत मैसी ने जीवंत कर दिया था। कई बच्चों को इस फिल्म ने मोटिवेट भी किया। अब इसी फिल्म के लिए विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है। इस अवॉर्ड को पाकर विक्रांत कैसा महसूस कर रहे हैं? जानिए।

20 साल पुराना सपना सच हो गया

बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने पर विक्रांत मैसी कहते हैं, 'मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय और 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की ज्यूरी का शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने मेरे काम को इस सम्मान के लायक समझा। मैं विधु विनोद चोपड़ा जी का भी शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे फिल्म में अभिनय करने का मौका दिया। आज मेरा 20 साल पुराना सपना सच हो गया है।' विक्रांत मैसी आगे कहते हैं, 'मैं दर्शकों का दिल से शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने मेरी एक्टिंग को पसंद किया, फिल्म '12वीं फेल' को इतने प्यार से आगे बढ़ाया। मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं अपना पहला नेशनल अवॉर्ड शाहरुख खान जैसे बड़े कलाकार के साथ शेयर कर रहा हूं।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in